हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 31.4 डिग्री
न्यूनतम 14.8 डिग्री

10 सामुदायिक भवन का मंत्री ने किया निरीक्षण

11 देश के लिए अहम रोल निभा रहे हैं फॉर्मासिस्ट

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यु
ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

लाखों का गांजा समेत आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। गांजा की तस्करी अवैध रूप से करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर टांगरपाडा तोरा बरगढ़ ओडिशा निवासी शखील बाग नामक युवक ट्राली बैग में गांजा रखकर उसे बेचने के लिए दल्ली राजहरा जाने वाली ट्रेन में रिसामा रेल्वे स्टेशन से उतरकर अण्डा गांव आने की तैयारी में था। पुलिस टीम यात्री प्रतिक्षालय रेलवे स्टेशन चौक रिसामा पहुंची और आरोपी के कब्जे से ट्राली बैग के भीतर से गांजा और मोबाईल, नगदी रकम जब्त किया। आरोपी के पास से दो पालिथन में भरे हरे कच्चे दानेदार गांजा 9 किलो 668 ग्राम बरामद किया। जिसकी कीमत 5 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय दुर्ग में पेश किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी भानू प्रताप साव समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

रंजिश के चलते गाली गलौज मारपीट

भिलाई। जामुल थाना अंतर्गत आपसी रंजिश के चलते दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। जामुल पुलिस ने बताया कि मकान नंबर 14 ब्लाक डी वार्ड 23 घासीदास नगर जामुल निवासी लेखराम पासवान श्रमिक के रूप में काम करता है। 23 नवम्बर को साहू किराना स्टोर के पास घासीदास नगर जामुल में अपने दोस्त सोहेब के साथ आनलाइन रकम ट्रासफर करा रहा था। तभी चन्द्र दीप , राजू खंजर , आयुष , मोनू पहुंचे आयुष के साथ हुए रंजिश के चलते गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जिसका पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर चन्द्र दीप ने बाईक की चैन , राजू खंजर लोहे का पाईप , आयुष बेस बल्ला और मोनू ने जमकर मारपीट किया। इस दौरान मोबाइल गिर गया।

दुर्ग में तकनीकी क्रांति की शुरुआत, आईटी पार्क बनेगा युवाओं की नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

आईटी पार्क युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और नवाचार की नई राह खोलेगा - मंत्री गजेंद्र यादव

दुर्ग जिला अब तेजी से आईटी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभरने जा रहा है। जिले में पहला आईटी पार्क स्थापित करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच आईटी पार्क स्थापना को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसे जिले के लिए तकनीकी युग की शुरुआत बताया गया।

यह आईटी पार्क शहर के बीचोबीच सिविल लाइन्स में स्थापित किया गया है। इसका निर्माण लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर किया गया है, कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है। एमओयू के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार, निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश मौजूद थे। इससे जिले में आईटी सेक्टर का विस्तार तेज होगा और युवाओं के लिए रोजगार तथा नवाचार के अनेक अवसर तैयार होंगे। यह पहल दुर्ग जिले के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। इससे युवाओं को उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण, वास्तविक उद्योग अनुभव और रोजगार अपने ही जिले में उपलब्ध होंगे। इसमें देश और प्रदेश की करीब 35 कंपनियां इस आईटी पार्क में आने और अपने स्टार्टअप शुरू करने में गहरी रुचि दिखाई हैं। गजेन्द्र यादव ने प्रदेश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में आईआईटी भिलाई एवं छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य आईटी पार्क स्थापना हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर कार्यक्रम का साक्षी बना। उन्होंने आईटी पार्क के महत्व, उसके प्रभाव और जिले पर पड़ने वाले दूरगामी परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले में आईटी पार्क का यह प्रयास युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और नवाचार की नई राह खोलेगा और प्रदेश के तकनीकी भविष्य को नए आयाम देगा। आने वाले वर्षों में दुर्ग जिले को एक ऐसे टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां स्टार्टअप, नवाचार और उद्योग मिलकर नए अवसर तैयार करेंगे।

आईटी पार्क में एआई आधारित कार्यों को दी जाएगी प्राथमिकता

जानकारी के मुताबिक बनने वाले नए आईटी पार्क में एआई आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। तकनीकी नवाचार और डिजिटल प्रगति का नया केंद्र बनेगा, बल्कि यह स्थानीय युवाओं और तकनीकी प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा मंच भी साबित होगा। पार्क में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स, फिनटेक, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। दुर्ग-भिलाई क्षेत्र की आईटी कंपनियां भी स्किल्ड विशेषज्ञों की कमी के कारण बड़े प्रोजेक्ट लेने और नई तकनीकों पर काम करने में कठिनाई महसूस करती थीं। इस आईटी पार्क की स्थापना इसी अंतर को समाप्त करने और स्थानीय आईटी सेक्टर को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

जिले में पिछले साल 150 मिलर्स को थी पात्रता, अब केवल 80 राइस मिलर हैं पात्र

संकट में धान का परिवहन... जिले के 70 राइस मिलर धान उठाव के लिए अपात्र

देवीलाल साहू ⏭भिलाई

खास खबर

इस बार धान खरीदी सहकारी समिति के कर्मचारियों के हड़ताल से लौटने पर पटरी पर आई है लेकिन अब उठाव के लिए नया संकट पैदा हो गया है। जिले के 70 राईस मिलर इस बार धान उठाव के लिए अपात्र हो गए हैं। इसलिए कि इन मिलरों ने पिछले साल का चावल ही एफसीआई में जमा नहीं किया है। नियम के हिसाब से इन मिलरों से धान उठाव के लिए मार्कफेड अनुबंध नहीं कर सकती। हाल यह है कि केवल 80 राईस मिलर ही पात्र है यानी इन्होने पिछले साल के अपने कोटे का चावल जमा कर दिया है। पिछले साल यानी वर्ष 2024 में जिले के 150 राइस मिलरों का धान उठाव करने के लिए अनुबंध हुआ था।

213680 मीट्रिक टन चावल जमा नहीं किए मिलरों ने

दुर्ग जिले के 80 मिलरों ने पिछले साल का 213680 मीट्रिक टन चावल जमा नहीं किया है। इन मिलरों को एफसीआई में 204323 मीट्रिक टन चावल जमा करना है और नान में 9357 मीट्रिक टन चावल देना है। इतना मीट्रिक टन चावल जमा जब तक नहीं हो जाएगा राइस मिलर इस साल धान उठाव की पात्रता के दायरे में नहीं आएंगे। नतीजा इस बार धान उठाव में समस्या आ सकती है।

640171 मीट्रिक टन चावल जमा करने का था टारगेट

दुर्ग जिले में पिछले साल वर्ष 2024-25 में 648485 मीट्रिक टन धान खरीदी की गई थी। इसके लिए 150 राइस मिलरों से अनुबंध हुआ था। इन मिलरों को कुल 640171 मीट्रिक टन चावल जमा करना था। जिसमें से 299512 मीट्रिक टन चावल एफसीआई में और नान में 126980 मीट्रिक टन चावल ही अब तक जमा किया गया है।

उपार्जन केंद्रों में 357787 मीट्रिक टन धान की खरीदी : दुर्ग जिले के 87 सहकारी समितियों के माध्यम से 102 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी चल रही है। 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई है। इस तरह पिछले दस दिनों में अब तक 357787 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। लेकिन एक भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव शुरू नहीं हो पाया है। 6659 किसानों ने अपनी उपज बेचा है। इस बार 112446 किसानों से 616435 मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है।

इन उपार्जन केंद्रों में सबसे ज्यादा धान खरीदी

केस 1

डीड़ाभाठा उपार्जन केंद्र में धान खरीदी अब तक सबसे ज्यादा हुई है। इस केंद्र में 7996 मीट्रिक टन धान खरीदी हो चुकी है। मोटा धान 1884 मीट्रिक टन, पतला धान 2832 मीट्रिक टन और सरना धान 3280 मीट्रिक टन खरीदी की जा चुकी है। धान का उठाव शुरू नहीं हो पाया है।

केस 2

जामगांव आर उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की गई है। यहां मोटा धान 1982 मीट्रिक टन, पतला धान 3371 मीट्रिक टन और सरोना धान 1988 मीट्रिक टन किसानों ने बेचा है। कुल 7341 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है और उठाव बिलकुल नहीं हुआ है।

केस 3

अंडा धान उपार्जन केंद्र में सबसे ज्यादा धान खरीदी हुई है। यहां मोटा धान 1166 मीट्रिक टन, पतला धान 3662 मीट्रिक टन और सरना धान 2321 मीट्रिक टन खरीदी की गई है। कुल 7150 मीट्रिक टन धान यहां खरीदी हुई है और उपार्जन केंद्र में डंप हैं।

केस 4

औंधी धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी 6445 मीट्रिक टन हो चुकी । इस केंद्र में मोटा धान 2544 मीट्रिक टन, पतला धान 1943 मीट्रिक टन और सरना धान 1957 मीट्रिक टन की खरीदी की गई है। ये सभी किस्म के धान उपार्जन केंद्र में रखा हुआ है।

“ मिलरों से करवा रहे चावल जमा

जो मिलर पिछले साल का चावल जमा नहीं कर पाए हैं उनसे चावल जमा करने नोटिस भेजा गया है। जैसे-जैसे चावल मिलर जमा करेंगे वैसे वैसे वे इस बार धान उठाव की पात्रता में शामिल होंगे। वर्तमान में 70 राइस मिलर अपात्र हैं।
-अनुराग सिंह भदौरिया, जिला खाद्य अधिकारी

अवैध कब्जे को हटाने पहुंची निगम की टीम, विवाद के बाद मामले में दोनों पक्ष पहुंचे थाने

■ थाने में निगम व प्रभावित महिला ने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जोन एक नेहरूनगर में एक अवैध कब्जे को लेकर निगम और प्रभावित महिला आमने-सामने हैं। निगम ने महिला के खिलाफ और महिला निगम के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ थाने में शिकायत की है। हालांकि इस मामले में सुपेला थाने ने एफआईआर दर्ज नहीं किया है। जांच हो रही है।

महिला ने शिकायत में लगाया यह आरोप

महिला अनु मिश्रा ने शिकायत की है कि जोन आयुक्त ने बिना सूचना के तोड़ फोड़ करने अमला लेकर पहुंचे। रजिस्टर्ड प्रापट्री मेरी माता के नाम है उनके साथ धक्का मुक्की की।

निगम की यह है शिकायत

जोन एक के आयुक्त अजय कुमार राजपूत ने थाने में शिकायत की है कि पुष्पा तिवारी पति राधेश्याम 48/12 नेहरू नगर भिलाई द्वारा आंवटित भूमि के अतिरिक्त भूमि पर किए गए अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की जा रही थी। कार्यवाही के दौरान अनु मिश्रा एवं उसके 4-5 साथियों के द्वारा गाली गलौज एवं मार-पीट के उतारू हो गए एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जोन आयुक्त जोन-01 को आबंटित शासकीय वाहन क्र. सीजी 07 एएल. 5334 में तोड़-फोड करने की कोशिश करने लगे। मुक्का की मार से कार के सामने के तरफ का शीशा को तोड़ दिया। जोन आयुक्त ने बताया है कि 30 अप्रैल, 7 जुलाई, 15 जुलाई और 15 नवंबर को महिला को कब्जा हटाने नोटिस जारी किया गया था।

अनाचार का आरोपी हुआ था फरार, तीन पुलिस कर्मी लाइन अटैच

भिलाई। तांत्रिक बनकर अनाचार करने वाला आरोपी के थाने से फरार होने के मामले में एसएसपी विजय अग्रवाल ने तीन पुलिस कर्मियों को लाइन अटैच कर दिया है। आरोपी पुलिस थाने से 21 नवंबर ले फरार हो गया था। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी हेमंत अग्रवाल को जामुल पुलिस ने भिलाई तीन थाने लाकर रखा था। लेकिन न तो यहां के स्टाफ को इसकी जानकारी दी गई। रोजनामचा में भी इसके बारे में कुछ भी दर्ज नहीं कराई गई थी। बताया जा रहा है कि पुलिस कर्मियों ने उसे थाने के बाहर ही बैठा दिया था। तभी जामुल पुलिस का आरोपी हेमंत को मौका मिलते ही फरार हो गया। प्राथमिक जांच में तैनात पुलिस कर्मियों की लापरवाही सामने आने पर एसएसपी ने तीनों पुलिस कर्मियों में काम में लापरवाही बरतने पर जामुल थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक दिनेश कुमार, आरक्षक रत्नेश कुमार शुक्ला, आरक्षक चेतराम गुरुंग को लाइन अटैच किया गया है। बताया गया है कि तांत्रिक हेमंत अग्रवाल को पकड़ने के लिए पुलिस ने दो दिनों तक बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा और रायपुर तक रतजगा करती रही। मुश्किल से पुलिस के हाथ लगा था। लेकिन पुलिस कर्मियों की लापरवाही के कारण थाने से आरोपी फरार हो गया।

फोम के प्लांट में लगी आग, तीन घंटे के बाद पाया गया काबू

भिलाई। फोम के प्लांट में रविवार देर रात अचानक आग लगने की घटना से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पुलिस और दमकल की टीम पहुंची थी। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक कुम्हारी स्थित रविवार की रात फोम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में भीषण आग लग गई। घटना ग्राम मुरमुंदा क्षेत्र की है। यहां फोम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है भीषण आग लगने से आग की लपेटों ने आसपास के लोगों को परेशान कर दिया था। प्लांट के भीतर सामान धूं-धूं कर जलने लगा। लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर 6 दमकल की टीम पहुंची थी। टीम ने लोगों से दूरी बनाए रखने की अपील कर माहौल को शांत कराया था।

फैक्ट्री मालिक और कर्मचारी भी मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लिया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी और फोम की बौछारें शुरू कीं। आग में भीतर रखे सारा सामान जल गया था। संदेह जताई जा रहा है कि प्लांट में मौजूद ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग भड़कने का संदेह जताया जा रहा है। संदेह जताया जा रहा है कि प्लांट में शॉर्ट-सर्किट होने के कारण इतनी बड़ी आग लग गई।

फिलहाल आगजनी का कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। अब तक किसी तरह की जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। आग पर जल्द काबू पा लिया गया, लेकिन नुकसान का अनुमान बाद में ही लगाया जा सकेगा।

भिलाई नगर पुलिस ने की कार्रवाई, पार्षद मां और बेटी ने किया महिला पर हमला

वीडियो वायरल : पार्षद की दबंगई, महिला को लाठी से पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पुरानी रंजिश के चलते हुई घटना, पीड़िता पूजा कर घर लौट रही

नगर निगम रिसाली की महिला पार्षद की इतनी दबंगई हो गई है कि वार्ड की महिला को लाठी से मारपीट कर गाली गलौज करने लगी। घटना में भिलाई नगर पुलिस ने पार्षद समेत उसकी बेटी के खिलाफ अपराध कायम किया है।

घटने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक एचएससीएल कॉलोनी रुआबांधा सेक्टर निवासी महिला संध्या सिंह शिकायत किया है कि पार्षद माया यादव और बेटी आंचल यादव ने उसके साथ मारपीट किया है। पीड़िता सोमवार सुबह मंदिर जा रही थी। रास्ते में पार्षद माया यादव के घर के पास पहुंची जहां पार्षद बाहर बैठकर किसी को गाली दे रही थीं। महिला ने बिना कुछ कहे मंदिर की ओर निकल गई।

पूजा करने के बाद जब पीड़िता वापस लौटी। तभी पार्षद के घर के पास महिला के पहुंचते ही माया यादव और आंचल यादव ने उसे रोका। उसके बाद पीड़िता के साथ पार्षद माया यादव ने घर में रखे बांस के लाठी से उस पर हमला कर दिया। लाठी से हुई मारपीट में महिला के दोनों पैरों, दोनों भुजाओं, दाहिने कंधे, मुंह और सिर में चोट आई है। इसके अलावा पार्षद माया यादव ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। बेटी आंचल ने महिला का गला भी दबाया था।आरोप है कि यह मारपीट पुरानी रंजिश के चलते होना बताया गया है।

मां-बेटी ने की मारपीट

घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता कि पार्षद और उसकी बेटी एक महिला को पीट रहीं हैं। महिला की पूजा की थाली सड़क पर बिखरी हुई है। आस-पड़ोस के लोग भी मौजूद थे। लेकिन पार्षद के व्यवहार की वजह से किसी ने भी महिला को बचाने की कोशिश नहीं की। बताया जा रहा है कि तीन माह पहले वार्ड की समस्या को लेकर विवाद शुरू हुआ था। पार्षद से सड़क पर जमा पानी के निकासी को लेकर स्थानीय लोगों ने भी शिकायत कर चुके है।

न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

भिलाई। न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। न्यूनतम तापमान बढ़ने से अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 31.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग ने तापमान में और बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाया है। इससे और ठंड में कमी आ सकती है। उसके बाद तापमान फिर से वापस आ सकता है। जिससे ठंड फिर से लगने लगेगी। मौसम विभाग ने मंगलवार को मौसम शुष्क रहने की जानकारी दी है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

धान खरीदी की धीमी रफ्तार, 25 से धरना

भिलाई। धान खरीदी की धीमी गति के खिलाफ 25 को दुर्ग में गांधी प्रतिमा के पास और धमधा में गंडई चौक में किसान आक्रोश व्यक्त करेंगे। विगत दिनों नगपुरा में सम्पन्न छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन की जिला स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार धान खरीदी की धीमी गति और टोकन की परेशानियों से पीड़ित किसानों द्वारा मंगलवार 25 नवंबर को दोपहर 12 बजे दुर्ग में गांधी प्रतिमा के पास और धमधा में गंडई चौक में एकसाथ प्रदर्शन करने सड़क पर उतरेंगे अन्नदाता किसान, प्रदर्शन कार्यक्रम का अनुमोदन करते हुए संगठन के धमधा तहसील स्तरीय बैठक में किसानों का कहना था कि सहकारी समितियों के कर्मचारियों और कम्प्यूटर आपरेटरों की हड़ताल खत्म होने के बाद किसानों में उम्मीद हो गई थी कि सोमवार 24 नवंबर से धान खरीदी सुचारू रूप से और पूरी क्षमता के साथ शुरू होने लगेगी। किंतु राज्य सरकार ने दक्ष कम्प्यूटर आपरेटरों की ड्यूटी एसआईआर में लगा दिया गया है, जिसके कारण पूरा क्षमता और गति से धान खरीदी शुरू होने की संभावना नहीं रह गई है। किसानों ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार जानबूझकर धान खरीदी की गति को सीमित करने की मंशा रखती है ताकि किसान धान बेचने के प्रति हतोत्साहित और परेशान हो जाये, ताकि सरकार को किसानों से कम और सीमित मात्रा में ही धान खरीदी करना पड़े।

गणना पत्रक भरने के संबंध में दिशा निर्देश जारी

दुर्ग । बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं के बीच यह गलत जानकारी प्रसारित की जा रही है कि गणना पत्रक केवल विशेष रंग की स्याही या पेन से ही भरे जाने पर स्वीकार किए जाएंगे। इस भ्रामक सूचना के कारण मतदाताओं में अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि गणना पत्रक भरने के लिए किसी भी विशेष रंग की स्याही या पेन का उपयोग अनिवार्य नहीं है। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को आयोग के वास्तविक दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि पुनरीक्षण कार्य सही जानकारी, पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपादित किया जाए। निर्वाचन कार्यालय ने मतदाताओं से भी कहा है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें।

पटेल चौक में ऊंट लेकर पहुंचे कार्यकर्ता, कहा- निर्णय ऊंट के मुंह में जीरा

400 को बंद कर सिर्फ 200 यूनिट हॉफ योजना लागू किए जाने को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर दर्ज कराया विरोध

जिला ग्रामीण कांग्रेस ने सोमवार को जिला मुख्यालय में दुर्ग के बिजली ऑफिस और कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेसियों ने ऊंट को जीरा खिलाकर बिजली बिल हॉफ योजना को 200 यूनिट करने का विरोध किया। पूर्व में कांग्रेस की सरकार की तरह 400 यूनिट करने की मांग की गई। प्रदर्शन में पूर्व विधायक अरुण वोरा प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, आरएन वर्मा एवं दुर्ग ग्रामीण व शहर के समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पंचायत, जनपद, सदस्य, पार्षद, सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता ने जोरदार प्रदर्शन किया। अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया।

राकेश ठाकुर ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्व फैसला लेते हुए 400 यूनिट तक की बिजली खपत में हाफ बिजली बिल योजना लागू किया था, लेकिन कुछ माह पूर्व ही वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा लाखों उपभोक्ताओं के जेब का परवाह न करते हुवे उक्त 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना में कटौती करते हुवे सिर्फ 100 यूनिट बिजली में ही हाफ बिजली प्रदान करने का निर्णय ले लिया गया।

स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा दोहरा भार

राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बिजली बिल, स्मार्ट मीटर के नाम पर छत्तीसगढ की जनता के साथ किये जा रहे लगातार शोषण को बंद किया जाए नही तो जब तक सरकार 400 यूनिट हॉफ भी करेगी कांग्रेस लगातार और उग्र प्रदर्शन करेगी। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि बिजली बिल हॉफ योजना को बंद करना भाजपा सरकार का जनविरोधी निर्णय है। यह सरकार जनता के प्रति संवेदनशील नहीं है। पहले किसानों के हाहाकार अब आम जनता पर बिजली की अतिरिक्त भार लगातार विरोध के बाद यह सरकार कुंभकरण की नींद सोई है। लगातार आंदोलन के बाद भी सरकार द्वारा जनहित के निर्णय नहीं दिए जा रहे आने वाले 2028 के चुनाव में ही अब जनता इन्हें नींद से जगाएगी और सत्ता से हटाएगी।

आगे भी जारी रहेगा कांग्रेस का यह प्रदर्शन

इस दौरान प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा बिजली बिल हॉफ योजना बंद करना, स्मार्ट मीटर लगाना और सौर ऊर्जा का प्रचार प्रसार छत्तीसगढ़ की जनता नहीं केवल साहब के उद्योगपति मित्र अदानी को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान एसडीएम हितेश पिस्दा, बिजली विभाग के एई आलोक साहू को ज्ञापन सौंपा गया। पप्रदर्शन के दौरान उमाकांत चंद्राकर, शिवकुमार वर्मा, राजीव गुप्ता अलताफ अहमद, जिला पंचायत सदस्य दानेश्वर साहू, प्रवक्ता नासिर खोखर, परमजीत सिंह भुई, कैलाश नाहटा, ओनी महिलांग, अनूप वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

बाकलीवाल ने कहा- 400 यूनिट तक हॉफ बिजली का मिले लाभ

प्रदर्शन के दौरान पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जनता को पूर्व की तरह 400 यूनिट तक हॉफ बिजली योजना का लाभ मिलना चाहिए। इसके अलावा बढ़ाई गई दरों को भी कम किया जाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि बढ़ते भार को कम करने के लिए अन्य जगहों से राशि का समायोजन करे, जनता पर अतिरिक्त भार न डाले। अय्यूब खान ने कहा कि जनता सरकार के निर्णय से हराकान हो गई है। जिसके लिए हम कांग्रेसियों ने मिलकर इस निर्णय का विरोध करते हुए आन्दोलन भी किये थे। मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को लालटेन सौप कर विरोध दर्ज कराया था, पूरे प्रदेश में उक्त निर्णय के खिलाफ आन्दोलन के बाद से सरकार बैकफुट पर आई भाजपा सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना के तहत मामूली बढ़ोतरी करते हुवे 100 यूनिट को बढ़ाकर 200 यूनिट किया गया है जो प्रदेश में महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए ऊंट के मुंह में जीरा के सामान है।

एसआईआर प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य तेज करने के लिए दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

- कलेक्टर ने की एसआईआर की प्रगति की समीक्षा

अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्य तेज गति से जारी है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं तथा प्राप्त भरे हुए प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य प्रगति पर है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेकर विधानसभा क्षेत्रों 64 दुर्ग शहर, 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर में डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा की। विधानसभा 64 दुर्ग शहर की समीक्षा बैठक नगर पालिक निगम दुर्ग के सभाकक्ष में तथा 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर की बैठक नगर पालिक निगम भिलाई कार्यालय में आयोजित की गई। बैठकों में संबंधित क्षेत्रों के नगर पालिक निगम आयुक्त, अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सभी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कम डिजिटाइजेशन प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हांकित कर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को आगामी 3–4 दिनों में डिजिटाइजेशन प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा को ध्यान रखते हुए सभी गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी जारी किए। जिला प्रशासन द्वारा एसआईआर-2026 को सफलतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी और समीक्षा की जा रही है।

सामुदायिक भवन का मंत्री ने किया निरीक्षण

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के वार्ड 15 सिकोला बस्ती में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का आज स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। भवन निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता तथा उपयोगिता की विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सिकोला बस्ती वार्ड 15 में बन रहा यह भवन क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी साबित होगा। सार्वजनिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन, सामाजिक बैठकें तथा अन्य सामुदायिक गतिविधियों के लिए इस भवन सुविधाजनक स्थान मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार का उद्देश्य हर वार्ड में मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। जिससे नागरिकों को बेहतर वातावरण एवं सुचारू सेवाएं मिल सकें। मंत्री ने सड़क, पानी, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यकताओं पर नागरिकों ने अपने सुझाव साझा किए। निरीक्षण के दौरान सभापति श्याम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पार्षद देवनारायण चंद्राकर, युवराज कुंजाम, सरस निर्मलकर, मन्नू साहू आदि मौजूद रहे।

धान खरीदी प्रक्रिया में तकनीकी पहल और बुनियादी सुधार से खुश हुए किसान

दुर्ग । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान समर्थन मूल्य में वृद्धि तथा उपार्जन केन्द्रों में सुविधाओं की बढ़ोतरी के चलते अब किसानों को अपनी उपज बेचने में सहजता हो रही है। दुर्ग जिले के ग्राम जंजगिरी के किसान श्री गौकरण साहू ने इस वर्ष लगभग 139 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि सोसायटी में इस बार की सुगठित भंडारण व्यवस्था, तेज़ तौल प्रक्रिया तथा मजदूरों की पर्याप्त उपलब्धता ने पूरी प्रक्रिया को सहज और तनावमुक्त बना दिया है। उन्होंने बताया कि इस बार तुंहर टोकन एप के माध्यम से घर बैठे टोकन कट गया। खरीदी केंद्र में बिजली और संचार की अच्छी व्यवस्था रही।श्री साहू का कहना है कि सरकार द्वारा युद्धस्तर पर किए गए बुनियादी सुधार और तकनीकी पहल जैसे मजबूत पावर सप्लाई, साफ़-सुथरे प्लेटफ़ॉर्म, व्यवस्थित बोरा प्रबंधन और डिजीटल टोकन जैसी व्यवस्थाओं ने किसानों का समय और श्रम दोनों बचाया है। वे बताते हैं कि अब किसान अपनी मेहनत की उपज को बिना किसी अनावश्यक प्रतीक्षा के उचित स्थान पर जमा कर पा रहे हैं।

कन्या कॉलेज में प्रवेश के लिए किया प्रोत्साहित

दुर्ग। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव द्वारा आयोजित बैठक में प्राध्यापकों को निकटम विद्यालयों में भ्रमण एवं महाविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बच्चों को महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आदेशित किया गया। जिसके अंतर्गत 22 नवंबर को अर्धशासकीय दाऊ रुरु प्रसाद राष्ट्रीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय में पावर प्वाईन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से महाविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए छात्राओं को प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। अंत में विद्यार्थियों को फीडबैक फार्म प्रदान कर उनसे इस कार्यक्रम एवं महाविद्यालय से संबंधित जानकारी के संतुष्टि की प्राप्ति हुई तथा इस कार्यक्रम में लगभग 55 छात्राएं उपस्थित रहीं।

दुर्ग निगम ने तय किए नोडल अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन, संस्थानों में आवारा कुत्तों से सुरक्षा व्यवस्था होगी कड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुओ-मोटो रिट पिटीशन सिविल के तहत दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने नगर पालिक निगम में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने और नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि निगम क्षेत्र के अंतर्गत संचालित समस्त शैक्षणिक संस्थान, सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य संस्थान, स्टेडियम, खेल परिसर, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन, जैसे भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थलों में फेंसिंग, बाउंड्री वॉल, गेट, सीसीटीवी कैमरा एवं सुरक्षा कर्मियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जा सके। निगम अधिकारियों ने कहा कि परिसर में स्वच्छता एवं रख-रखाव की मजबूत व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि कुत्तों को भोजन या ठहरने का कोई कारण न मिले।

- आयुक्त ने जारी किए निर्देश

कुत्तों को सड़क पर न दें भोजन

निगम का यह कदम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, मरीजों, खिलाड़ियों एवं दैनिक यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना और दिक्कतों को रोका जा सके। नगर निगम ने नागरिक स्वच्छता एवं जनहित में सहयोग करें, कुत्तों को सड़क व सार्वजनिक परिसरों में भोजन न कराएं तथा किसी भी समस्या की सूचना तुरंत हेल्पलाइन 1100 पर देने कहा गया है।

नोडल अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार

प्रत्येक संस्थान में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो परिसर में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक, कचरा प्रबंधन एवं साफ-सफाई की सतत निगरानी, आवश्यक संरचनात्मक सुधार कार्यों का मॉनिटरिंग करेंगे। नियुक्त नोडल अधिकारी का नाम मोबाइल नंबर निदान हेल्पलाइन 1100 संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार के निकट प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए, जिससे किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत निगम तक पहुंच सके।

चेतावनी से कार्रवाई में आएगी तेजी

निर्देशों के पालन के लिए नगर पालिक निगम दुर्ग ने शहर के सभी चिन्हांकित संस्थानों को आधिकारिक पत्र जारी कर कार्यवाही शुरू कर दी है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि स्वच्छता एवं सुरक्षा मानकों के पालन में लापरवाही करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं और किसानों को बनाया सशक्त, मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶|दुर्ग

उत्कृष्ट बीसी सखी अवार्ड से नवाजा गया
महिलाओं को रोजगार से जोड़ने कर रहीं काम

जिले की तारा साहू ने अपनी मेहनत और लगन से बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़कर न सिर्फ अपनी बल्कि आस-पास के कई गांवों की ग्रामीण महिलाओं और किसानों की आजीविका को सशक्त बनाया है। जिले के नंदिनीखुर्दनी ग्राम पंचायत की निवासी तारा ने वर्ष 2018 में बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) सखी के रूप में अपना कार्य प्रारंभ किया।

शुरुआती चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने हार नहीं मानी और ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किया। उनकी इसी लगन, समर्पण और सर्वाधिक ट्रांज़ैक्शन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सोमवार को न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन, रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में मिशन संचालक, सीजीएसआरएलएम द्वारा उत्कृष्ट बीसी सखी अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी अनुपस्थिति में यह सम्मान एमीन दीदी द्वारा ग्रहण किया गया। तारा साहू ने लैपटॉप खरीदा और बैंक ऑफ इंडिया, शाखा पथरिया से जुड़कर कार्य शुरू किया। वे 4500 से अधिक बैंक खाते खोल चुकी हैं और नंदिनीखुर्दनी सहित 06 आस-पास के गांवों में नकद जमा व निकासी, नए बैंक खाते खोलने, बिजली, बिल भुगतान, फसल बीमा आवेदन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के आवेदन जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल और बैंकिंग सेवाएं, घर-घर जाकर उपलब्ध करा रही हैं, जो कार्य बड़े बैंक शाखाओं के लिए भी कठिन होता है। उसे तारा साहू ने अकेले दम पर संभव कर दिखाया है। बीसी सखी के रूप में ट्रांज़ैक्शन पर मिलने वाले कमीशन से उन्हें 10 हजार से 11 हजार रुपये मासिक आय होती है, जिससे उनके परिवार की आजीविका सुरक्षित हुई है। श्रीमती तारा साहू का यह सफर बिहान स्व-सहायता समूह की प्रेरक यात्रा को प्रमाणित बनाता है।

स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्ति आज तक नहीं लग सकी, अंडा में 8 साल से अटका सम्मान

दुर्ग/ अंडा। ग्राम अंडा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में बनाई जाने वाली मूर्ति स्थापना योजना 7 से 8 साल से अधूरी पड़ी है। प्रशासन ने स्थल चयन से लेकर सौंदर्यीकरण तक पर लाखों रुपए खर्च कर दिए, लेकिन मूर्तियां आज तक नहीं लग सकीं। इसी वजह से ग्रामीणों में नाराज़गी है और परिजन इसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के साथ सीधा अन्याय मान रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानी स्व. हलालखोर सिन्हा उर्फ मंत्रीलाल सिन्हा के पुत्र देवेन्द्र कुमार सिन्हा ने इस उपेक्षा को लेकर कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन दिया है। उन्होंने मांग की है कि अटल चौक में तीनों सेनानियों की मूर्तियां तुरंत स्थापित की जाएं ताकि उन्हें उचित सम्मान मिल सके। गांव के तीन वीर सेनानी हलालखोर उर्फ मंत्रीलाल सिन्हा, चेतन लाल चंद्राकर और दशरथ लाल चंद्राकर ने आजादी की लड़ाई में जेल की यातनाएं झेली थीं। अटल चौक अंडा में इन तीनों की मूर्तियां लगाने का फैसला वर्षों पहले लिया गया था। मंच, पेडस्टल और आधार ढांचा तैयार भी कर दिया गया, लेकिन स्थापना की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। ग्रामवासियों का कहना है कि यह स्मारक सम्मान का प्रतीक बनना था, लेकिन प्रशासन की सुस्ती के कारण सालों से बिना काम के पड़ा हुआ है।

खबर संक्षेप

एसएनजी विद्यालय में भाजपा का सम्मेलन आज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी, जिला भिलाई द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भिलाई नगर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन 25 नवंबर को सुबह 11 बजे से एनएनजी विद्यालय सभागार सेक्टर-4 भिलाई में आयोजित है। मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय होंगे। अध्यक्षता भिलाई जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन करेंगे। मुख्य वक्ता भाजपा आईटी सेल छत्तीसगढ़ के डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी होंगे।

सिंगल यूज प्लास्टिक बेचते युवक पकड़ाया

भिलाई। नपानि भिलाई क्षेत्र में वार्ड 25 जवाहर नगर, पेट्रोल पंप के पीछे सब्जी मंडी में सुबह एक युवक बोरी और झोला में सिंगल यूज प्लास्टिक बेचते हुए पकड़ा गया। अजय तापड़िया के द्वारा कहा गया कि वह ऋषभ ग्रीन पुलगांव दुर्ग निवासी है।

निधन

देवीदत्त तिवारी

भिलाई। प्रगति नगर निवासी देवी दत्त तिवारी (85 वर्ष) का निधन सोमवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 नवंबर को सुबह 11 बजे रिसाली गांव मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र व बहू सहित पूरा भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

सीएसवीटीयू एकीकृत राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

ड्रग-स्टेरॉइड से दूर रहकर मेहनत और अनुशासित जीवनशैली से सफलता प्राप्त करें खिलाड़ी : डॉ. आकांक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

छत्तीसगढ़ राज्य तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत सीएसवीटीयू एकीकृत राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आकांक्षा साहू स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एम्स रायपुर रही जो प्रदेश में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के माध्यम से वनांचल - ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान निजात और सामाजिक सेवा के उल्लेखनीय कार्यों के लिए जानी जाती हैं वे अनेक राजकीय व राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित है तथा युवा पीढ़ी की प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंचलदीप कौर प्राचार्य केवीआईपी रायपुर ने की। अतिविशिष्ट अतिथि डॉ. यशस्वी साहू व डॉ. डी.एन. देवांगन प्राचार्य केवीआईटी रायपुर रहे। प्रतियोगिता सोमवार को प्रदेश के इंजीनियरिंग, फार्मेसी और पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों की 12 पुरुष तथा 8 महिला टीमें इसमें भाग ले रही हैं।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आईं छात्राओं द्वारा दिखाया जा रहा हुनर

प्रतिभा को नष्ट करता है नशा- डॉ. आकांक्षा

मुख्य अतिथि डॉ. आकांक्षा साहू खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण करते हैं। केवल कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास ही आपको सफलता दिला सकता है। कभी भी नशा, ड्रग्स या स्टेरॉइड का प्रयोग न करें। यह प्रतिभा को नष्ट करता है। खेल, तकनीक और स्वास्थ्य ये तीनों ही आधुनिक समाज की आधारशिला हैं। बास्केटबॉल जैसे तेज और तकनीकी खेल में जिस फुर्ती, सामंजस्य, निर्णय क्षमता और संतुलन की आवश्यकता होती है, वही विशेषताएँ तकनीकी शिक्षा में नवाचार और चिकित्सा जगत में जीवनरक्षक निर्णयों को जन्म देती हैं। युवाओं को इन तीनों क्षेत्रों का समन्वय अपनाना चाहिए, जिससे उनका व्यक्तित्व और भी प्रभावशाली बनता है।जीवन की सार्थकता तभी है जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकें, क्योंकि संवेदनशील होकर दूसरों के चेहरे पर मुस्कान बाँटना हमें बेहतर इंसान बनाता है और प्रत्येक व्यक्ति के लिए जीवन में कुछ भी बनने से ज्यादा कठिन है मानवीय संवेदनाओं से भरा इंसान बनना।

ये हुए शुभारंभ में शामिल

कार्यक्रम के मेजबान कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च महाविद्यालय रायपुर से वाइस प्रिंसिपल डॉ. संदीप सोनकर, वरिष्ठ प्रबंधक रजनीश नायर, प्रोफेसर इंचार्ज खेल शंकर नागराजन व लिलिमा बघेल प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक से. नि. लेफ्टिनेंट के.पी. यादव (वरिष्ठ खेल अधिकारी) व वरिष्ठ खेल अधिकारी कोंडल राव चयनकर्ता भारतीय टीम के खिलाड़ी किरनपाल सिंह और विजय जनबंधु (एनआईएस कोच), अम्पायर व रेफरी सहित प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग–फार्मेसी–पॉलीटेक्निक संस्थानों के प्रोफेसर इंचार्ज खेल व खेल अधिकारी एम एन बेग, ओंकार जायसवाल, गजेन्द्र साहू सहित खिलाड़ी और दर्शकों की उपस्थिति रही। सीएसवीटीयू द्वारा आयोजित यह एकीकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता न केवल तकनीकी शिक्षा संस्थानों के बीच खेल भावना को मजबूत करती है, बल्कि युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है और प्रतियोगिता के अगले दौर को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

सीजी पीएससी 2025 में चयनित होने पर गांव पहुंचे योगेंद्र निर्मल

हरिभूमि न्यूज ▶▶|पाटन

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भनसुली निवासी योगेंद्र निर्मल पिता वासुदेव निर्मल ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में 32 वां रैंक हासिल कर नायब तहसीलदार पद ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। छोटे से गांव के रहने वाले योगेंद्र निर्मल प्रारंभ से ही मेधावी रहे हैं। किसान परिवार से आने वाले योगेंद्र पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी हमेशा आगे रहते हैं। उनका परिवार गायत्री परिवार से जुड़ाव व आध्यात्मिक जनजागरण में कार्य करते रहते हैं। निर्मल इंजीनियरिंग करने के बाद 2019 से सीजीपीएससी की तैयारी में जुट गए थे। सेन्ट्रल लाइब्रेरी रायपुर में नियमित पढ़ाई करता था, ये 5 वां प्रयास था। पिछले वर्ष 114 रैंक के साथ सहकारिता निरीक्षक पद पर चयनित सफ़लता अर्जित किया था। ग्राम आगमन पर ग्रामवासियों की ओर से भव्य बाजे गाजे के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया और ग्राम भ्रमण कराया गया। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने योगेंद्र निर्मल को बधाई देते हुए कहा कि पाटन विधानसभा क्षेत्र के मेरे गांव व परिवारिक सदस्य, योगेंद्र निर्मल को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में 32वां रैंक हासिल कर नायब तहसीलदार पद पर चयनित होने पर शुभकामनाएं। इस अवसर पर जनपद सदस्य दिनेश साहू, सरपंच भगवती मुकेश साहू ने भी योगेन्द्र निर्मल की उपलब्धि हमारे ग्राम के लिए ऐतिहासिक क्षण एवं अनंत शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान टुकेश निर्मल सोसायटी अध्यक्ष, गैंदलाल डहरिया पूर्व जपं, डॉ. केके साहू, नीलमनी साहू, रामनारायण साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष, पद्मभूषण साहू उपसरपंच, विनोद साहू सचिव, अजय निर्मल, दानीराम तारक आदि मौजूद थे।

बिजनेस साइट

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरोदा भिलाई में हुआ शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन, रखे अपने विचार

भिलाई। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरोदा भिलाई द्वारा डाईट दुर्ग (अछोटी) के विशेष सहयोग से नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरोदा में शिक्षा विद डायरेक्टर डॉ.पीडी शर्मा, प्राचार्य पीसी मरकले, शिशिरकला भट्टाचार्य, प्राचार्य शिशिर प्रकाश, सत्येंद्र शर्मा, डॉ.सुनीला शर्मा शामिल थे। शिक्षक संगोष्ठी का शुभारंभ मां शारदे के तैलचित्र में पूजा अर्चना वंदना के साथ हुआ। नई शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए सुनीला शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति भविष्य का खाका है यह रटने के बजाय समझने पर जोर देता है। सौंदर्या राव ने ईसीसीई पर अपनी बात रखते हुए बताया कि 3 से 8 वर्ष तक के बच्चे के लिए नई शिक्षा नीति निर्णायक है। शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के प्राचार्य शिशिर प्रकाश ने कहा कि हमें बच्चों के स्तर पर जाकर सीखाना आवश्यक है। नई शिक्षा नीति कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है। बच्चे को सशक्त बनाने के लिए नई शिक्षा नीति बहुत ही महत्वपूर्ण है। डाईट दुर्ग से शिशिरकला भट्टाचार्य ने नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से बताया। नई शिक्षा नीति वर्किंग एंड लर्निंग पर जोर देता है। डाईट प्राचार्य पीसी मरकले ने बताया कि नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। बच्चों के अंतर्निहित प्रतिभा को सामने लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। डायरेक्टर डॉ.पीडी शर्मा ने बताया कि हमें स्वयं के ज्ञान का बेहतर उपयोग करते हुए उचित वातावरण का निर्माण कर बच्चों को समस्या का समाधान करने एवं चुनौतियों का सामना करने के लिये तैयार करने की आवश्यकता है। शिक्षक संगोष्ठी का सफल संचालन हेमंत मढ़रिया एवं ललित कुमार बिजौरा ने किया। आभार प्रदर्शन एवं धन्यवाद ज्ञापन सुनील मिश्रा ने प्रस्तुत किया। इस शिक्षक संगोष्ठी में नवीन सिंह, कृष्ण कुमार धुरंधर, रामकुमार वर्मा, ललित कुमार बिजौरा, परस राम साहू, रोहित वर्मा ,सोनल दियेवार,दीपिका आदि मौजूद थे।

कृष्णा पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ, विजेता हुए सम्मानित

भिलाई। कृष्णा पब्लिक स्कूल दुर्ग में दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रोमांच और जय घोष के बीच उल्लास और उत्साह से भरा एक दिन पूरे जोश के साथ सम्पन्न हुआ। वार्षिक खेलकूद का उद्घाटन डॉयरेक्टर मयंक शर्मा एवं प्रधानाचार्या इति शर्मा के द्वारा ध्वजारोहण एवं मशाल प्रज्वलन के साथ किया गया। डॉयरेक्टर शर्मा ने बताया कि खेलकूद मानव जीवन का एक अभिन्न अंग और व्यक्तित्व एवं चारित्रिक विकास में सहायक होता है। उन्होंने अपने ऊर्जावान और ओजस्वी भाषण से विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासित रहने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार उन्होंने खेल दिवस की शुरूआत की घोषणा की। विभिन्न फ़ील्ड प्रतिस्पर्धाएं जिनमें पीटी, मार्च पास्ट, फुटबॉल, कबड्डी, रिले रेस, रस्साकशी एवं विभिन्न टीम-खेलों में बच्चों ने शानदार प्रतिभा और खेलभावना का परिचय दिया। विभिन्न ट्रैक कार्यक्रम 100 मीटर रेस, 400 मीटर रिले रेस हुए। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों ने भी प्रतिस्पर्धा में भाग लिया जिससे वातावरण अति मनोरंजक व उत्साहपूर्ण हो गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पदक और ट्रॉफियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का संचालन निशा मेनन एवं पिंकी डडसेना ने किया। प्रतिस्पर्धाएं खेल शिक्षक नवीन मानिकपुरी, सीके निर्मलकर एवं छाया चक्रधारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में फॉर्मेसी वीक का शुभारंभ

देश के लिए अहम रोल निभा रहे हैं फॉर्मासिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

फार्मेसी, शिक्षा और स्वास्थ्य का उभरता हुआ ऐसा केंद्र है जहां सभी की नजरें केंद्रीत है। फार्मासिस्ट देश के लिए अहम रोल निभा रहे हैं। फार्मासिस्ट ने जहां देश को भयंकर महामारी से बाहर निकालने में सहयोग किया, वहीं कम्युनिटी हेल्थ में भी समाज के साथ मददगार बनकर डटे हुए हैं।

- महामारी से बाहर निकालने फॉर्मासिस्ट की भूमिका अहम
- रूंगटा स्किल्स यूनिर्वसिटी में मनाया जा रहा फॉर्मेसी वीक

फार्मेसी के विद्यार्थियों को इस फील्ड के जरिए समाज के साथ सीधे जुड़ने को सौभाग्य है। उक्त बातें सोमवार को रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में फार्मेसी वीक समारोह के उद्घाटन के दौरान कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी ने कहीं। रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में फार्मेसी वीक का शुभारंभ हुआ। यह समारोह तीन दिन चलेगा, जिसमें छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।फार्मेसी वीक का शुभारंभ विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिताओं के साथ किया गया।

फार्मेसी के विद्यार्थियों ने एक तरफ जहां रस्साकशी में दमदखम दिखाया, वहीं कबड्डी के जरिए अपनी सहनशक्ति, फुर्ती और एकाग्रता साबित की। विद्यार्थियों ने पहले दिन अपने सार्थियों के साथ मिलकर आनंद मेला भी लगाया, जिसमें सभी ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। कोलकाता की झालमुड़ी से लेकर मॉर्डन जमाने के लिए परोसे जाने वाला वॉफल्स सबकुछ इसमें खास रहा। समारोह के पहले दिन छात्रों ने रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर फार्मेसी की फील्ड के प्रति सम्मान दिखाया। कॉलेज के भवन में फार्मेसी वीक का बैनर विमोचन किया गया।

विद्यार्थियों के लिए फार्मेसी की थीम पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, क्विज, डिबेट और पोस्ट मेकिंग कॉम्पीटिशन कराया गया। कार्यक्रम में रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्रो-वीसी डॉ. मनीष मनोरिया, स्कूल ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर डॉ. मधुलिका प्रधान, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. आशीष पनत, रजिस्ट्रार डॉ. एजाजुद्दीन और परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश शर्मा उपस्थित थे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री नरेश निषाद पिता तुलसीराम, जाति केंवट, निवासी - फुंडहर, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा विक्रेता श्रीमती सरस्वती यदु पति मुरारी यदु, जाति यदु, निवासी ग्राम मडईभाठा भेडरा, वार्ड न. 10 मडईभाठा, धमतरी, तह. व जिला धमतरी (छ.ग.) के नाम, हक में वाके मौजा ग्राम खर्रा, प.ह.न. 38, तहसील पाटन, जिला - दुर्ग, (छ.ग.) स्थित ख.न. 402 रकबा 0.47 है. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिसे मेरे पक्षकार उपर दर्शित भूमि को उप पंजीयक कार्यालय पाटन, जिला दुर्ग में क्रय किया जावेगा। तथा उपरोक्त भूमि ख.न. 402 रकबा 0.47 है. भूमि के संबंध में जिस्त किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, अर्द्धशासकीय बैंक, बंधक बैंक या साहूकार को किसी भी प्रकार से कोई हक दावा, ऋण, लेन-देन, या उजर दावा करना हो या आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के पूर्व अपना हक, दावा, लेन-देन, ऋण, उजर दावा या आपत्ति मेरे पक्षकार या मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। भूमि का क्रय विक्रय हो जाने के पश्चात उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार से कोई उजर दावा, ऋण, लेन-देन या आपत्ति स्वीकार नही किया जावेगा अर्थात नागांतरण की कार्यवाही के समय स्वीकार नही होगा या मान्य नही होगा। अर्थात आपत्ति शून्य माना जावेगा।

स्थान-पाटन
दिनांक- 24/11/2025

अधिवक्ता
षठवदन देवांगन (एस.के. देवांगन)
तहसील कार्यालय पाटन
मो.नं.-7869890725
मुहर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री नरेश निषाद पिता तुलसीराम, जाति केंवट, निवासी फुंडहर, तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा विक्रेता अशोक साहू पिता पुरन साहू जाति तेली, निवासी ग्राम 26, फोकटपारा डुंडा, सेजबहार, रायपुर, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम, हक में वाके मौजा ग्राम खर्रा, प.ह.न. 38, तहसील पाटन, जिला दुर्ग. (छ.ग.) स्थित ख.न. 401 रकबा 1.42 है. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिसे मेरे पक्षकार उपर दर्शित भूमि को उप पंजीयक कार्यालय पाटन, जिला दुर्ग में क्रय किया जावेगा। तथा उपरोक्त भूमि ख.न. 401 रकबा 1.42 है. भूमि क संबंध में जिस्त किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, अर्द्धशासकीय बैंक, बंधक बैंक या साहूकार को किसी भी प्रकार से कोई हक दावा, ऋण, लेन-देन, या उजर दावा करना हो या आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन क 15 दिवस के पूर्व अपना हक, दावा, लेन-देन, ऋण, उजर दावा या आपत्ति मेरे पक्षकार या मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। भूमि का क्रय विक्रय हो जाने के पश्चात उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार से कोई उजर दावा, ऋण, लेन-देन या आपत्ति स्वीकार नही किया जावेगा अर्थात नागांतरण की कार्यवाही के स्वीकार नही होगा या मान्य नही होगा। अर्थात आपत्ति शून्य माना जावेगा।

स्थान- पाटन
दिनांक- 24/11/2025

अधिवक्ता
षठवदन देवांगन (एस.के. देवांगन)
तहसील कार्यालय पाटन
मो.नं.-7869890725
मुहर

समक्ष-प्रथम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)

क्लेम प्रकरण कमांक-136/2025
प्रोसेस क्रमांक- 1079/25

श्रीमती वर्षा बाई वगैरह .....आवेदक
विरुद्ध
उदय वगैरह .....अनावेदकगण

बनाम-जसबिंदर सिंह आ. अमर सिंह
ग्राम-सिकोला भाठा दुर्ग, थाना मोहन नगर दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आप अनावेदक जसबिंदर सिंह के खिलाफ आवेदक द्वारा धारा 166 मोटरयान अधिनियम 1988 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति राशि 68,60,000/- रूपये दिलाये जाने बाबत् आवेदन पेश किया गया है, जो कि आपके स्वामित्व के वहन गोटरसायकल प्लसर क्रमांक-सी.जी. /07/ एल.जी./ 9969 से हुई दुर्घटना में गजेन्द्र कुमार साहू को गंभीर चोट आने से उसकी मृत्यु हो जाने के बारे में पेश की गई है। उस मामले में आगामी नियत पेशी तारीख 12/12/2025 को दिन के 11.00 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि तुम मुकदमें की बातें ठीक-ठीक तौर से समझा दी गई हो और जो मुकदमें के बारे में कुछ जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या जिसके पास कोई ऐसा आदमी मौजुद हो जो कि, ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिए हाजिर हो जाओ और तुम्हारी हाजिरी के लिए मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमें के आखिरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से तुम्हें उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजो को पेश करने के लिए तैयार रखना होगा, कि जिस पर तुम अपने बचाव की पुष्टि के लिए भरोसा रखना चाहते हो।

तुम्हे ताकिद की जाती है कि यदि तुम तारीख मजूकर पर हाजिर न होओगे, तो तुम्हारे गैरहाजिरी में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा, यदि मुकर्रर तारीख को अवकाश घोषित हो जाये या किसी कारणवश न्यायालयीन कार्य स्थगित हो जावे तो प्रकरण की सुनवाई उसके अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज तारीख 21 माह 11 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(किरण कुमार जांगड़े)
प्रथम मो. दु. दावा अधिकरण बालोद
जिला बालोद (छ.ग)
मुहर

न्यायालय शेख अशरफ प्रथम जिला न्यायाधीश जिला-दुर्ग (छ.ग.)

समंस

क्लेम प्रकरण क्रमांक एम.जे.सी सिविल 131/2024
पेशी तारीख 10.12.2025
प्रोसेस क्रमांक 1112/2025

श्रीमती दलबीर कौर व अन्य..... आवेदिका
विरुद्ध
प्रबंधक व अन्य.....अनावेदकगण

बनाम..... आम जनता

आवेदिका श्रीमती दलबीर कौर, ध.प. सतनाम सिंह, उम्र 49 वर्ष, निवासी-ई.डब्ल्यू.एस.-610, वार्ड नं.-10. वैशाली नगर, सुपेला भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) ने एक आवेदन अपील अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता पेश किया है।

आपको इस सूचना के द्वारा निर्देशित किया जाता है कि आप अधिकरण के समक्ष दिनांक 10.12.2025 को दिन के 11:00 बजे, स्वय या ऐसे वकील के माध्यम से, जिन्हें प्रकरण के तथ्यों से अच्छी तरह से समझा दिया गया हो, जो ऐसे प्रश्नों का जवाब दे सकें, या ऐसा व्यक्ति मौजूद हो, जो कि ऐसे प्रश्नों का जवाब दे सकें, के लिए हाजिर हो और आप को ऐसे सभी दस्तावेजों व गवाही को पेश करने के लिए तैयार रखना होगा, जिन पर आप अपने बचाव के समर्थन में भरोसा रखना चाहते हों। यदि आवेदन की सुनवाई उक्त नियत दिनांक को सार्वजनिक अवकाश घोषित होने के कारण नहीं होती है अथवा नियत तिथि पर मैं अवकाश पर जाता हूँ, या अन्य किसी कारण से सुनवाई उक्त तिथि को नहीं होती है, तो उसके पश्चातवर्ती कार्य दिवस में आवेदन की सुनवाई की जायेगी और उक्त तिथि को आपके अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्ध एक पक्षीय रूप से आवेदिका के आवेदन का निराकरण किया जायेगा।

आज दिनांक 03.11.2025 को इस न्यायालय के सील व मेरे हस्ताक्षर से सूचना जारी किया गया है।

शेख अशरफ प्रथम
जिला न्यायाधीश, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

जगजीवन आयुर्वेद

धातु की कमी, नामर्दी उत्तेजना की कमी, लिंग में छोटापन, ढीलापन, पतलापन, टाईमिंग की कमी, शुगर से सेक्स में कमी, शुक्राणु की कमी संतान न होना, आदि सभी गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है.

आज ही गारंटी से इलाज कराएँ

शॉप नं. C11, महालक्ष्मी मार्केट, टॉकीज के नीचे, पुलगाँव चौक, दुर्ग
मो. 7869433660, 9399486858

खबर संक्षेप

बीपी सिंह बार काउंसिल के सदस्य निर्वाचित

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद् बिलासपुर के 25 सदस्यों का चुनाव 30 सितंबर को पूरे प्रदेश के बार संघों में हुआ। इस चुनाव में दुर्ग अधिवक्ता संघ के कुल 13 सदस्य मैदान में रहे। देर रात 21 नवंबर को घोषित अंतिम परिणाम में दुर्ग के 4 अधिवक्ता सदस्य निर्वाचित हुए। जिसमें बादशाह प्रसाद सिंह, नरेंद्र सोनी, संतोष कुमार वर्मा, उत्तम चंदेल शामिल हैं। साथ ही बादशाह प्रसाद सिंह लगातार तीसरी बार छत्तीसगढ़ अधिवक्ता बार काउंसिल में जीत हासिल की है। इस अवसर पर अधिवक्ता समुदाय में जीत को लेकर खुशी का जाहिर की गई। एडवोकेट सत्यव्रत चौधरी एवं सुधाकर ने कहा सीनियर हम सभी के आदर्श एवं प्रेरणा के स्त्रोत हैं। जूनियर एडवोकेट की टीम के अन्य अधिवक्ता नरेंद्र सिंह, एइफ़ाज़, सुधांशु,पीयूष, विद्याभूषण,वंदना, आकांक्षा, प्रियंका, आदि श्रीवास्तव उपस्थित हुए।

स्कूल भवन का हुआ भूमिपूजन

दुर्ग। ग्राम पीपरछेड़ी बालोद में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में नवीन हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन निर्माण के भूमिपूजन एवं डोम शेड के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक ललित चन्द्राकर ने 1 करोड़ 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाले विकास कार्य का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, जिलाध्यक्ष भाजपा बालोद चेमन देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष बालोद तारिणी चंद्रकार, उपाध्यक्ष तोमन साहू,राकेश यादव, भाजपा महामंत्री बालोद राकेश यादव आदि मौजूद थे।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सिंह पहुंचे थे दुर्ग

रजिस्ट्री शुल्क बढ़ोतरी के विरोध में किरण देव के सामने प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी, सौंपा ज्ञापन

रजिस्ट्री शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी के विरोध में सोमवार को लोगों ने प्रदर्शन किया। वे रैली की शक्ल में कलेक्ट्रट पहुंच रहे थे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह छत्तीसगढ़ राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा के निवास पहुंचे थे।

वहीं से लौटते समय प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा रजिस्ट्री शुल्क में बेतहाशा बढ़ोतरी की गई है, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार इस निर्णय को जल्द वापस नहीं लेती है, तो जनता व्यापक आंदोलन के लिए मजबूर होगी, जिसके लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों में जमकर कहासुनी हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा का भरोसा भी दिलाया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन श्यामलाल साहू को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रजिस्ट्री शुल्क और जमीन के बाजार मूल्य में की गई बढ़ोतरी आम लोगों पर सीधा प्रहार है, जिसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि जनहित में रजिस्ट्री शुल्क एवं जमीन के बाजार भाव को कम किया जाए, ताकि आम नागरिक राहत महसूस कर सकें। बता दें कि सरकार ने रजिस्ट्री शुल्क में बढ़ोत्तरी की है। इसके अलावा जमीनों का बाजार मूल्य भी बढ़ाया गया है, जिसके विरोध में इस कार्य से जुड़े लोग सामने आ गए हैं।

डिजिटलाइजेशन कार्य का निरीक्षण

दुर्ग। दुर्ग संभाग के आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अभिजीत सिंह ने विधानसभा क्षेत्र भिलाई के अंतर्गत एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों का नगर निगम भिलाई के सभागार में चल रहे डिजिटलाइजेशन कार्य का निरीक्षण कर डिजिलाटइजेशन में और तेजी लाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, ईआरओ अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डे उपस्थित थे।

संभाग आयुक्त श्री राठौर और कलेक्टर श्री सिंह ने दुर्ग जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र मचान्दुर, रिसामा और अण्डा में भी डिजिटलाइजेशन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने मचान्दुर और रिसामा में बीएलओ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा संपादित कार्यों का सराहना की और शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। वहीं अण्डा में बीएलओ के कार्य पर असंतोष व्यक्त करते हुए मतदाताओं के घर-घर जाकर गणना पत्रक एकत्र कर डिजिलाइजेशन के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री आवास की लाटरी 1 दिसम्बर को

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक के विभिन्न परियोजना स्थलों में निर्मित/निर्माणाधीन आवासों का आबंटन मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष में 1 दिसंबर को समय 12 बजे खुली लाटरी आयोजित किया गया है। हितग्राहियो द्वारा जमा किए गए आवेदन पत्रों का सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान राशि 75000 निगम कोष में जमा कराया गया है। नियमानुसार लाटरी पद्वति में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवास तथा अन्य वर्ग के हितग्राहियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तल के आवास को सम्मिलित किया गया है।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

स्कूली बच्चों ने पढ़े प्रकृति अध्ययन के अनूठे पाठ..

लाइव इवेंट

मरोदा टैंक स्कूल का मॉडल चौथी बार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

भिलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोदा टैंक के छात्र सौरभ चंद्राकर एवं नितिश साहू ने विद्यालय और प्रदेश का नाम एक बार फिर गौरवान्वित किया है। दोनों विद्यार्थियों ने व्याख्याता सुष्मिता मिश्रा एवं चंद्राणी देवांगन के मार्गदर्शन में 52वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। यह प्रदर्शनी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन भोपाल में 23 नवंबर तक आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति से पूर्व मॉडल को राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, अंबिकापुर में प्रस्तुत किया गया था, जहाँ सर्वश्रेष्ठ मॉडल के रूप में चयनित होने के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रस्तुति के दौरान मॉडल को वैज्ञानिक सटीकता, पर्यावरण आधारित उपयोगिता और नवाचार के लिए निर्णायकों एवं दर्शकों से उल्लेखनीय प्रशंसा प्राप्त हुई।

■ भिलाई के छात्रों ने छत्तीसगढ़ को किया गौरवान्वित

विद्यालय के इतिहास के साथ-साथ यह उपलब्धि राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोदा टैंक छत्तीसगढ़ का पहला विद्यालय बना है जिसके मॉडल का चौथी बार राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में चयन हुआ है।यह उपलब्धि शासकीय विद्यालयों की प्रतिभा, संसाधनों के सार्थक उपयोग तथा वैज्ञानिक शिक्षा के प्रसार का प्रमाण है। इस चयन में मार्गदर्शक व्याख्याता सुष्मिता मिश्रा एवं चंद्राणी देवांगन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिन्होंने मॉडल के अनुसंधान, निर्माण, तकनीकी सुधार एवं प्रस्तुति की तैयारी में विद्यार्थियों का सतत मार्गदर्शन और सहयोग किया। प्राचार्य मित्रा रायचौधरी ने दोनों छात्रों एवं मार्गदर्शक शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय ऐसे शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक अवसरों के लिए हमेशा सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करता रहेगा। उन्होंने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य शासकीय विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी तथा आगे भी विद्यालय इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा।

सिटी इवेंट

दुर्ग जिले के प्रतिभागी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को कर रहे जंबूरी में उजागर

भिलाई। 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में रायपुर संभाग छत्तीसगढ़ की स्काउट-गाइड टीम गर्व और उत्साह के साथ प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही है। लखनऊ में आयोजित शिविर में दुर्ग के प्रतिनिधि भी शामिल हो रही है, जो छत्तीसगढ़ी की संस्कृति और परंपरा को उजागर कर रहे हैं। स्काउट टीम में सुजल वर्मा-ऋषभ वर्मा-ऋषभ चतुर्वेदी-शिवम राय-मोनिश लैशर-संभव प्रताप उपाध्याय-आदर्श कुमार और कृष्णकांत शामिल हैं। गाइड्स टीम में साक्षी साहू-अनुष्का शर्मा-गरिमा वर्मा-रिया ठाकुर-आरुषि साह-ज्योति बांधे-मानवी सोनी और अनुग्रह बंजारे भाग ले रही हैं। इस दल को दिशा देने वाले पदाधिकारियों में एसके अग्रवाल, विजय कुमार, सोना सेठ, गोरा भुवन बाबू, सियाराम यादव, एसएसएच जैदी सहित अन्य शामिल हो रहे हैं।

सिटी इवेंट

रक्तदान शिविर में डोनेट किया ब्लड दिवाली मिलन समारोह भी मनाया

भिलाई। लोक संस्कृति सेवा भजन फाग एवं जस झांकी संघ जिला दुर्ग के तत्वावधान में गोवर्धन चौक उरला में रक्तदान शिविर एवं दिवाली मिलन समारोह मनाया गया। लगभग 30 व्यक्ति रक्तदान में भाग लेकर अपना रक्तदान किया। संघ की ओर से सभी को रक्तदान वीर से सम्मान किया गया। प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। आगामी आयोजन के बारे में चर्चा की गई। 150 मंडली के आयोजन समिति एवं प्रतिभागी मंडली के द्वारा दिवाली मिलन समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में उरला दुर्ग वार्ड 56 के पार्षद उपस्थित थे। साथ ही साथ इस कार्यक्रम में दुर्ग जिले के रचनाकार पुरन साहू, ग्वाल निषाद, धनराज निर्मलकार, यशपाल यादव, चेतन यादव , महेश बर्मन, रत्नू चौधरी, मंगल वर्मा, लोकनाथ, देवा देशमुख, संघ के अध्यक्ष पवन यादव सचिव दुर्वासा मेश्राम, हेमंत चौहान, जयदेव यादव , संजय यादव, एवन साहू, राजा एवं संघ के सदस्य उपस्थि थे।

● परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन

करो योग रहो निरोग...नेचुरोपैथी और एक्यूप्रेशर पद्धति से भी डायबिटीज ब्लडप्रेशर, किडनी, माइग्रेन, अस्थमा जैसी बीमारियों के इलाज के दिए टिप्स

व्यस्त और आधुनिक जीवन शैली के बीच भी यदि हर व्यक्ति रोज सुबह थोड़ा सा समय निकालकर घर में ही थोड़ा सा सरल योग का अभ्यास करे, तो वह निरोग रह सकता है। योग से शारीरिक और मानसिक मजबूती बढ़ती है। यह बात अब सिद्ध हो चुकी है। इसलिए विशेषज्ञों की सलाह है कि करो योग रहो निरोग। योग के कई सरल आसन हैं, जिनका थोड़ा सा प्रशिक्षण लेकर रोजाना घर में भी इनका अभ्यास किया जा सकता है। इससे कई बीमारियों से शरीर को बचाया जा सकता है। ऐसे ही एक शिविर का 7 दिवसीय आयोजन परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में किया गया। इस दौरान बताया गया कि योग हमारी शारीरिक व मानसिक मजबूती के लिए आवश्यक भी है। इससे जहां शरीर तंदुरुस्त रहता है, वहीं मन भी शांत रहता है। योग शिक्षकों और सहायकों ने योगासन, सूर्य नमस्कार, कपाल भांति आदि आसनों की जानकारी दी।

भिलाई। सात दिवसीय निःशुल्क विशेष योग शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन अवसर पर देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, मुख्य योग प्रशिक्षक आरआर खन्ना, नरेंद्र पटेल, आरपी शर्मा, श्रीनिवास राव, टीआर सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे। देवांगन ने कहा कि स्वस्थ तन, मन एवं निरोगी जीवन शैली के लिए नियमित रूप से योग अपनाएं। योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अपने जीवन को निरोगी एवं खुशहाल बना सकते हैं।

उन्होंने शिविर के लाभार्थियों को योग का नियमित अभ्यास जारी रखने की सलाह दी। उन्होंने घोषणा की कि आगामी दिनों में परमेश्वरी भवन में आम नागरिकों के लिए विशेषज्ञों की उपस्थिति में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए नेचुरोपैथी, एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं न्युरोथेरेपी पर केन्द्रित शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में योग, आसन, प्राणायाम के साथ ही नेचुरोपैथी एवं एक्यूप्रेशर पद्धति से डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, किडनी, हृदय रोग, वात रोग, माइग्रेन, अस्थमा, साईटिका आदि रोगों का ईलाज हेतु विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया।

आयुर्वेद और योग के जरिए हो सकता है हर बीमारी का इलाज

विशेषज्ञों ने बताया कि स्वास्थ्य जीवन के लिए आयुर्वेदिक दवा और योग को नियमित करने से अच्छा लाभ मिलता है। योग में रूचि रखने वाले ज्यादातर लोग प्राणायाम, अलोम विलोम तथा योग के विभिन्न आसन नियमित रूप से करें। वर्तमान समय में योग की शिक्षा पर निरंतरता बनाने की जरूरत है। योग के त्वरित लाभ से पूरी दुनिया के लोगों ने इस अपनाना शुरू कर दिया है। वास्तव में योग के लिए धन की नहीं बल्कि थोड़ा समय निकालने की जरुरत है। इसके बाद योग से लाभान्वित होने वाला प्रत्येक व्यक्ति दूसरों को भी प्रेरणा देने लगता है। प्राचीन समय से जिस तरह योग का महत्व कम नहीं हो पाया है, उसी तरह आयुर्वेद की दवाओं का भी महत्व बरकरार है। अपने आस पास मिलने वाली तुलसी,अदरक,लहसुन एवं अन्य जड़ी बूटियों को अपना कर हम अपने जीवन को तरोताजा रख सकते हैं। सुबह की विशुध्द हवा शरीर के लिए स्वास्थ्य दायक है।

बुजुर्गों के अलावा बड़ी संख्या में युवा भी हुए शामिल

शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के साथ ही महिला, पुरूष एवं बच्चों ने भी भाग लिया। निःशुल्क योग शिविर का आयोजन पतंजलि योग समिति जिला दुर्ग, हरिओम योग प्रशिक्षण केन्द्र एवं देवांगन जन कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। समापन समारोह में गजेंद्र देवांगन, सत्यपाल देवांगन, मुख्य योग प्रशिक्षक आरआर खन्ना, नरेन्द्र पटेल, राजेश तिवारी, आरपी शर्मा, टीआर सोनी, श्रीनिवास राव, वंदना देवांगन, जेआर बिसेन, बीआर भल्ला, ललन सिंह, मनीषा निखारे, आरती शर्मा, रेणु चौबे, गणपति कोन्डेतिजे, एसडीके चौबे, संजय निखारे आदि मौजूद थे। योग को जीवन में निरंतर बना कर प्रत्येक व्यक्ति बेहतर स्वास्थ्य का लाभ प्राप्त कर सकता है। योग प्रशिक्षकों का मानना है कि स्कूलों में पढ़ाई लिखाई के साथ योग की शिक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत है। आयुष विभाग की पहल के बाद योग के प्रति लोगों का रुझान बढ़ने लगा है। स्कूल का खेल मैदान में कड़ाके की ठंड की परवाह किए बगैर योग करने वालों की खासी भीड़ नजर आने लगी है।

कैंप क्षेत्र में आयोजित रामकथा के दौरान खिचड़ी और हलवा के प्रसाद का वितरण

भिलाई। संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में इन दिनों रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में वैशालीनगर विधायर रिकेश सेन, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, शंकराचार्य ग्रुप के चेयरमैन आईपी मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल हुए। संत शिरोमणि दामोदर दास द्वारा राम कथा सुनाई जा रही है। कथा के बाद खिचड़ी एवं हलवा का प्रसाद वितरण किया गया। कथा में संत दामोदर दास ने आयोजक आचार्य ओमप्रकाश द्विवेदी की बहुत प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हिन्दू राष्ट्र की रक्षा के लिए हर जगह कथा होनी चाहिए।

कथा के आयोजक आचार्य पं. ओमप्रकाश द्विवेदी ने भक्तों को साधु बाद दिया।

वार्ड 14 में 96 लाख की लागत से होगा डामरीकरण कार्य, विधायक रिकेश व मेयर पाल ने किया भूमिपूजन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के अंतर्गत शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 में महत्वपूर्ण अधोसंरचना विकास की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। वार्ड में 96 लाख रुपये की लागत से होने वाले डामरीकरण (सड़क निर्माण) कार्य का भूमिपूजन वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन एवं भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल के कर कमलों द्वारा किया गया। डामरीकरण सड़क निर्माण के इस परियोजना की लागत 96 लाख रुपए है। शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 वार्ड के नागरिकों को सुगम और गुणवत्तापूर्ण सड़क यातायात की सुविधा प्रदान करना लक्ष्य है।

जिस स्कूल में पढ़े वहां किया भूमिपूजन

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने जिस शासकीय हाई स्कूल कैम्प-2 में शिक्षा ग्रहण की वहां 10 नए कमरे बनाने के लिए उन्होंने 67.05 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है और सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर करने के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षकों के साथ अभिभावक भी बच्चों की पढ़ाई के लिए मेहनत करें, इससे निश्चित रूप से शिक्षा का स्तर बढ़ेगा। शासकीय हाई स्कूल कैम्प-2 में 3 आधुनिक क्लास रूम, प्राचार्य एवं ऑफिस कक्ष, दो विद्यार्थी कक्ष, बालक एवं बालिका वॉशरूम 2, प्रथम तल पर 2 क्लास रूम, लायब्रेरी रूम, कम्प्यूटर रूम, आर्ट रूम, दो बालक एवं बालिका वॉशरूम का निर्माण होना है।

आईआईटी के प्राध्यापकों व स्टूडेंट्स का प्रयोग, जर्नल एडवांस्ड फंग्शनल मटेरियल्स में प्रकाशित

शोधकर्ताओं ने विकसित किया स्मार्ट पॉलिमर जेल, जो ऊर्जा बचाने वाली खिड़कियों और हरित ऊर्जा उपकरणों के लिए नई तकनीक

कार्नर न्यूज

भिलाई। भारत सरकार के राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता मिशन और राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत ऊर्जा स्थिरता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। शहरी क्षेत्रों में इमारतों की ठंडक बनाए रखने में भारी मात्रा में बिजली खर्च होती है, वहीं ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अब भी जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता बनी हुई है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं की टीम निशिकांत सिंह, दुर्गेश कुमार सिन्हा, कौशिक महता, दिलीप भोई, तेजराम देवांगन, कचाला नानाजी और प्रमुख अन्वेषक डॉ. संजीब बनर्जी ने एक स्मार्ट पॉलिमर जेल विकसित किया है, जो इमारतों में बिजली की खपत को कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा भी उत्पन्न कर सकता है। डॉ. बनर्जी की टीम ने तैयार यह नया पदार्थ एक स्मार्ट विंडो कोटिंग की तरह काम करता है। यह तापमान के साथ अपनी पारदर्शिता को स्वतः बदलता है, जिससे इमारतों के भीतर गर्मी कम होती है और एसी की खपत घट जाती है। यही जेल छोटे पावर-जनरेटिंग उपकरणों में इलेक्ट्रोलाइट की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे यह भवनों से आगे भी टिकाऊ ऊर्जा समाधान देने की क्षमता रखता है।

स्वच्छ और सस्ती उर्जा में सहायक, आने वाले समय में बढ़ेगी डिमांड, आईआईटी भिलाई में लगातार हो रहे रिसर्च

विशेषज्ञों ने बताया कि यह खोज दिखाती है कि कैसे एक ही पदार्थ ऊर्जा स्थिरता के दो अहम कार्य कर सकता है। ऊर्जा की बचत और ऊर्जा का निर्माण। डॉ. संजीब बनर्जी ने कहा कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को सस्ती और स्केलेबल तकनीक से पूरा करने में ऐसे बहु-कार्यात्मक समाधान अत्यंत आवश्यक हैं। इसका मुख्य लाभ इमारतों में ऊर्जा बचत स्मार्ट विंडो तापमान के अनुसार पारदर्शिता बदलकर एसी की खपत घटाने का है। यह जेल छोटे उपकरणों में पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा पैदा करने के लिए इलेक्ट्रोलाइट का काम करता है।

लागत भी कम और मेंटेनेंस का झंझट भी नहीं

आईआईटी के प्राध्यापकों ने बताया कि यह कम लागत और स्केलेबलः एक ही पदार्थ दोहरी ऊर्जा भूमिकाएँ निभाता है, जिससे तकनीक की लागत और जटिलता कम होती है। ऊर्जा दक्षता और हरित ऊर्जा उत्पादन को एक ही पदार्थ में जोड़कर, यह नवाचार भारत के स्वच्छ ऊर्जा और स्थिरता मिशनों से सीधे मेल खाता है। यह कई अलग-अलग तकनीकों पर निर्भरता को घटाकर स्मार्ट और हरित शहरों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल एडवॉन्स्ड फंग्शनल मटेरियल्स में प्रकाशित हुआ है, जो ऊर्जा क्षेत्र में आईआईटी भिलाई के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है।

सिटी इवेंट

पद्मश्री आचार्य मसेट्टी को आचार्य शर्मा ने भेंट की किताब

भिलाई। छत्तीसगढ़ के शिक्षाविद् आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा सफल सांस्कृतिक शैक्षणिक भोपाल प्रवास से लौटे। यह प्रवास राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भारतीय ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित था। अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ डॉ. शर्मा ने पुस्तकों का आदान-प्रदान भी किया।

■ भारतीय ज्ञान केन्द्रित सफल सांस्कृतिक भोपाल प्रवास से लौटे आचार्य शर्मा

आचार्य शंकर सांस्कृतिक न्यास एवं मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा भारत भवन भोपाल में आयोजित एकात्म प्रेरणा संवाद में ब्राजील के पद्मश्री आचार्य जोनास लापेस मसेट्टी विशेष रूप से उपस्थित थे। आचार्य मसेट्टी ने ब्राजील में भी विश्वविद्या गुरुकुलम् स्थापित किया है। ढाई हजार से अधिक विद्यार्थी यहां वेदान्त का अध्ययन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति का दूत कहा था। डॉ.शर्मा ने उन्हें अपनी पुस्तक संस्कृति के चार सोपान भेंट की, जिसकी सराहना करते हुवे उन्होंने साधुवाद दिया। पद्मश्री मसेट्टी ने कहा वेदान्त विज्ञान है जिससे हम अपने आपको जान सकते हैं। इस कार्यक्रम में उनके शिष्य और परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। भोपाल के सांस्कृतिक प्रवास के साथ नर्मदापुरम्के बाबई गांव का साहित्यिक भ्रमण भी डॉ. शर्मा ने किया। यह प्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि पं.माखन लाल चतुर्वेदी की जन्मभूमि है। आजकल इस स्थान को माखन नगर के नाम से जाना जाता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में हुए आयोजन में केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली की अध्यक्ष संध्या पुरेचा, दिल्ली विश्वविद्यालय की साहित्य प्रोफेसर डॉ. मीरा द्विवेदी, पुणे के नाटक विशेषज्ञ सतीश पांवड़े एवं हरदा के नाट्यशास्त्री डॉ. देवेन्द्र पाठक द्वारा विश्व प्रसिद्ध ग्रन्थों श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर केन्द्रित भारतीय ज्ञान परम्परा का लाभ डॉ. महेशचन्द्र शर्मा को मिला। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने डॉ. शर्मा की पुस्तकों साहित्य और समाज एवं गागर में सागर की सराहना की। इस दौरान बेलूर मठ के प्रति कुलपति स्वामी आत्मप्रियानन्द और अद्वैत आश्रम के स्वामी शुद्धिदानन्द आदि को सुनने हजार से अधिक प्रोफेसर्स, शोधार्थी और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

● शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल हिर्री में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

स्कूली बच्चों ने पढ़े प्रकृति अध्ययन के अनूठे पाठ पर्यावरण को सहेजने व स्वच्छता का लिया संकल्प

मिलाई/धमधा। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, हिर्री में आयोजित एकदिवसीय प्रकृति अध्ययन कार्यशाला में विद्यार्थियों ने प्राकृतिक वातावरण के बीच रहकर विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण ज्ञान अर्जित किया। विद्यालय द्वारा शुरू की गई यह पहल बच्चों को कक्षा के बाहर प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर सीखने का अवसर प्रदान करती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को विद्यालय के समीप स्थित शांत एवं प्राकृतिक स्थल पर ले जाकर पौधों, वनस्पतियों, फूलों, बीजों, मिट्टी एवं पत्थरों का संग्रह करने जैसी गतिविधियाँ कराई गईं। बच्चों ने पक्षियों के पंखों का अध्ययन, नदी-तालाब एवं जल क्षेत्र का अवलोकन, खेतों और फसलों का प्रत्यक्ष निरीक्षण भी किया। साथ ही पेड़ों की ऊँचाई और दूरी का अनुमान लगाना, तितलियों एवं कीट-पतंगों का अध्ययन, यात्रा-वृत्तांत लेखन तथा वृक्ष की छालों के पैटर्न तैयार करने जैसी रोचक गतिविधियों में भी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रकृति के प्रति लगाव विकसित करने किया प्रोत्साहित

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव विकसित करना, प्राकृतिक घटनाओं की समझ बढ़ाना तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप कला, कौशल और खेल आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करना रहा। मोबाइल और तकनीक के इस दौर में आउटडोर गतिविधियों में आई कमी के बीच यह कार्यशाला बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई। इस अवसर पर ग्रामीण प्रतिनिधि धनेश साहू, सरपंच योगेंद्र साहू, आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य उपस्थित थे। विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन कराया गया तथा बाल दिवस के अवसर पर शिक्षकों द्वारा उपहार भी वितरित किए गए।

पौधे लगाने और उन्हें सहेजने लिया संकल्प

प्रधान पाठक वर्षा हरिहरनो तथा विद्यालय के शिक्षकों ने कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षकों ने एक दिन पूर्व क्षेत्र का निरीक्षण कर अध्ययन के लिए आवश्यक बिंदुओं की पहचान की। समापन अवसर पर बच्चों द्वारा तैयार किए गए कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। प्रकृति के बीच सीखने का यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए यादगार साबित हुआ। उनके बाल मन पर दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव छोड़ गया। इस अवसर पर बच्चों ने पौधे लगाए, उन्हें सहेजने का संकल्प भी लिया।

धर्म लाइव

चने के दाने में बनाई पीएम मोदी की छोटी मूर्ति, हुआ सम्मान

भिलाई। मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मात्र चने के दाने के बराबर छोटी मूर्ति बनाकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष प्रदर्शित की है। जिसे वे मोदी जी के छत्तीसगढ़ आगमन पर उन्हें भेंट देना चाहते हैं। मुख्यमंत्री उनकी सूक्ष्मकला को देखकर अचंभित रह गए और उन्हें प्रधानमंत्री से मिलवाने का वादा किया है। बीएसपी के मेडिकल विभाग के जन्म मृत्यु कार्यालय में पदस्थ अंकुश देवांगन सूक्ष्मकला बनाने में माहिर हैं। मोदी की आधे सेंटीमीटर छोटी इस मूर्ति को उन्होंने संगमरमर पत्थर को तराशकर डेढ़ माह की कठिन मेहनत से तैयार की है। यही नहीं उन्होंने इस मूर्ति को कमल के फूल पर विराजमान करके उसके पीछे राम मंदिर की भव्य झांकी भी बनाई है। नौकरी के व्यस्ततम क्षणों के बाद वे घर जाकर अपनी कलासाधना को अंजाम देते हैं। उनके द्वारा बनाई गई दुनिया की सबसे छोटी भगवान गणेश की प्रतिमा तो चांवल के दाने से भी सौ गुनी छोटी है। जिसे लिम्का बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में लिया गया है। वे भारत में 500 से ज्यादा और सात समंदर पार इंग्लैंड में भी अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। वे सिर्फ सूक्ष्म मूर्तियां या चावल के दोनों पर पेंटिंग ही नहीं बनाते बल्कि विशाल से विशालतम प्रतिमा बनाने में भी महारत रखते हैं। उनकी कलासाधना को देखकर केंद्र सरकार, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने उन्हें स्वस्फूर्त ललित कला अकादमी, नई दिल्ली का मानद सदस्य बनाया है। जहां वे छत्तीसगढ़ राज्य से प्रथम कलाकार हैं जो इसके बोर्ड मेंबर बने हैं।

राष्ट्रीयता और मानवता का प्रतीक

अमेरिका में हिंदी की सेवा कर रहे भिलाई के मयंक को दो अंतरराष्ट्रीय सम्मान

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के मूल निवासी और इन दिनों अमेरिका में रहकर हिंदी की विशिष्ट सेवा कर रहे मयंक जैन दंपति और उनकी संस्था हिंदी-यूएसए सेंट लुईस शाखाको नई दिल्ली में दो दिन पहले हुए विश्व हिंदी परिषद के ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ में दो विशिष्ट सम्मान से विभूषित किया गया है। इस दौरान मयंक के साथ सेंट लुईस हिंदी-यूएसए पहल में सक्रिय रूप से सहयोग कर रही उनकी पत्नी डॉ. अंशु जैन ने देश-विदेश के प्रतिनिधियों के बीच विशेष प्रस्तुतिकरण दिया, जिसे भरपूर सराहना मिली।

विश्व हिंदी परिषद और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषय पर यह दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में अमेरिका की संस्था हिंदी-यूएसए और उसके सेंट लुईस शाखा के समन्वयक मयंक जैन को हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के वैश्विक विस्तार में असाधारण योगदान के लिए हिंदी सेवा सम्मान तथा हिंदी प्रतीक चिह्न सम्मान से विभूषित किया गया। यह सम्मान लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता के करकमलों प्रदान किए गए। मयंक जैन दंपती ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अनेक प्रेरक व्यक्तित्वों की उपस्थिति रही, जिनमें पद्मभूषण और पद्मश्री आचार्य यरलागड्डा लक्ष्मीप्रसाद, पूर्व सांसद के. सी. त्यागी, राज्य सभा की सांसद रेखा शर्मा, प्रो. सच्चिदानंद मिश्र, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. महेश चंद्र शर्मा, डॉ. शिवशक्ति नाथ बख्शी, बलदेव पुरुषार्थ, प्रो. हेमचंद्र जैन, प्रो. योजना कालिया, और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के प्राध्यापक और कुलपति शामिल थे।

छत्तीसगढ़ से भी अनेक प्रतिनिधि विशेषकर प्रो. राम नारायण पटेल इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। इसके अतिरिक्त इथियोपिया, सूरीनाम, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन से आए प्रतिनिधियों ने हिंदी की वैश्विक उपस्थिति को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। इस विराट आयोजन के सफल प्रबंधन और समन्वय में बिपिन, डीपी मिश्रा तथा विश्व हिंदी परिषद के सैकड़ों स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिनके समर्पण और सतत प्रयासों ने दो दिनों के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को उत्कृष्ट सफलता प्रदान की।

120 प्रतिभागियों को किया पराजित

बेस्ट पार्लियामेंटेरियन का खिताब तनय शर्मा ने जीता

दुर्ग। रूंगटा पब्लिक स्कूल का मेधावी छात्र, न्यू खुर्सीपार निवासी डॉ. राघवेंद्र एवं एनआईसी दुर्ग में वरिष्ठ अधिकारी श्वेता शर्मा के सुपुत्र तनय शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने कुशल वाक्पटुता का शानदार परिचय देते हुए देश भर से दिल्ली पहुंचे 120 प्रतिभागियों को पराजित कर यंग इंडिया पार्लियामेंट्री डिबेट में फाइनल में विजयी होकर बेस्ट पार्लियामेंटेरियन का खिताब जीता। पहले जिला स्तर राजनांदगांव और फिर राज्य स्तर जमशेदपुर पर भी स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली पहुंचा। राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल में उनकी तर्कपूर्ण प्रस्तुति, नीतिगत गहराई और आत्मविश्वास ने निर्णायकों को प्रभावित किया। इस तरह तनय राष्ट्रीय क्षितिज पर युवाओं के बीच श्रेष्ठ वक्ता के रूप में चमकता सितारा साबित हुआ है। तनय की इस उपलब्धि से उसके परिवार ही नहीं दुर्ग भिलाई एवं अंचल एवं समाज में सर्वत्र प्रसन्नता की लहर व्याप्त है। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा और महासचिव शशिकांत तिवारी के पौधा भेंटकर सम्मानित किया। समाज के सलाहकार डॉ. विश्वनाथ पाणीग्राही ने कहा यह उपलब्धि सिर्फ दुर्ग भिलाई की नहीं है, वरन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर सुमित शर्मा, चंद्रशेखर पाण्डेय, ऋषभ तिवारी, संतोष शर्मा, किशोर तिवारी, रमेश शर्मा, कमल किशोर शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

ग्रामीण विधायक ललित ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

भिलाई। रुआबांधा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जीवन दान सेवा संस्था, संयुक्ता सतत निरंतर सेवा संस्था, मोशन फाउंडेशन, एवं स्वच्छता अभियान के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर प्रमुख रूप से शामिल हुए। उन्होंने स्वास्थ्य जांच करवाया और रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को हेलमेट व प्रमाण पत्र वितरण कर उनका उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है और इससे लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। 11 सालों से निरंतर सेवा कार्य कर रहे संस्था के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। उनकी इस सेवा भावना को सलाम किया। उन्होंने शंकराचार्य हॉस्पिटल से आये स्वास्थ्य कर्मियों को भी इस सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में राजू जंघेल, अनुपम साहू, दशरथ साहू, राकेश त्रिपाठी, योगेश्वर मानिकपुरी, गुड्डू झा आदि मौजूद रहे।

कार्नर न्यूज

प्राणीशास्त्र विभाग में तीन दिवसीय प्रदर्शनी, विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरकर आई सामने

कल्याण कॉलेज में 50 से ज्यादा बनाए नॉलेज फुल मॉडल, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, किए प्रदर्शित

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर–7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय मॉडल प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित भव्य मॉडल प्रदर्शनी ने महाविद्यालय परिसर में ज्ञान, विज्ञान और नवाचार का अद्भुत संगम निर्मित किया। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक समझ, सृजनात्मकता, मॉडल निर्माण कौशल और नवाचार क्षमता को ऐसे प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया कि आगंतुक क्रिएटिविटी की प्रशंसा करते रहे। इस प्रदर्शनी में 50 से भी अधिक मॉडल्स प्रस्तुत किए गए। इसमें अनेक वर्किंग और नॉन-वर्किंग मॉडल्स आकर्षण का केंद्र रहे। प्रमुख मॉडल की बात की जाए तो सोलर सिस्टम, पैलेमोन का ह्रदय एवं धमन्य तंत्र, प्रोटोजोआ जनित रोग, जीवाश्म अध्ययन, अकशेरुकी एवं परजीवी एल्बम, मानव एवं घोड़े का जैव विकास का स्वचालित मॉडल आदि ने सभी का ध्यान खींचा। सभी मॉडल में विद्यार्थियों की मेहनत, वैज्ञानिक शुद्धता, कल्पनाशील सोच और शानदार प्रस्तुति कौशल की चमक स्पष्ट दिखाई दी।

कॉलेज फेकेल्टी की रही अहम भूमिका

इस आयोजन में प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ.शिप्रा सिन्हा, सहायक प्राध्यापक, नुसरत खान, दीपांशु तारम, शैलेश कोशले, गंगा साहू की उल्लेखनीय भूमिका रही। साथ ही साइंस फैकल्टी के हेड डॉ.गुणवंत चंद्रोल, बॉयोटेक्नालॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. सौम्या खरे, फिजिक्स डिपार्टमेंट की हेड डॉ.नीलम शुक्ला, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.कविता वर्मा, डॉ.नागमणि, डॉ.अनुपमा, डॉ.छाया, मनमिता सिंह राजपूत, राकेश कुमार साहू, ललिता, प्रियंका साहू, गुलेश्वरी साहू, नेहा सिंह, चेतना आदि की उपस्थित रही।

दूसरे कॉलेज के विद्यार्थी भी पहुंचे प्रदर्शनी देखने

अतिथि एवं दर्शकों ने मॉडल्स को अद्भुत, प्रभावशाली और शोध स्तर का कार्य बताया और जमकर प्रशंसा की गई। जबकि अनेक महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने भी प्रदर्शनी की तारीफ की। इस आयोजन में शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञ भी शामिल हुए। आयोजन में गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम मॉडल कॉलेज, धनोरा (दुर्ग) के प्राणीशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ.हेमा कुलकर्णी ने सभी मॉडलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले मॉडल विद्यार्थियों को शोध और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का उत्साह कई गुना बढ़ गया। कल्याण कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रतिभा आने वाले शोधकर्ताओं की पहचान है। विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार क्षमता और प्रायोगिक दक्षता भविष्य में उन्हें उत्कृष्ट शोधकर्ता बनने की दिशा में प्रेरित करती है।

ज्योतिष

2026 में शनि और राहु की चाल में होगा बदलाव, इनका शुरू होगा गोल्डन टाइम

वैदिक ज्योतिष मुताबिक साल 2026 में कई बड़े और छोटे ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। जिसमें न्यायाधीश शनि और मायावी ग्रह राहु का भी नाम शामिल है। आपको बता कें शनि देव मार्च और अप्रैल के महीने में अस्त, उदय होंगे। वहीं राहु ग्रह कुंभ से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इन दोनों ग्रहों की चाल में बदलाव से कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ के साथ तरक्की के योग बन रहे हैं। वहीं फंसा हुआ धन मिल सकता है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं

मकर राशि : शनि आपकी राशि से तीसरे भाव पर उदय होंगे। वहीं राहु ग्रह आपकी गोचर कुंडली के लग्न भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। वहीं बेरोजगार लोगों को नई नौकरी का प्रस्ताव आ सकता है। पुराने निवेश या धन संबंधी मामलों में सफलता मिलने की संभावना है। इस अवधि में किए गए प्रयास आपको अच्छा लाभ देंगे।

तुला राशि : शनि देव आपकी राशि से छठे स्थान पर तो वहीं राहु ग्रह चतुर्थ भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपको वाहन और प्रापर्टी की प्राप्ति हो सकती है। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। आप बुद्धिमानी और सूझबूझ से महत्वपूर्ण फैसले सही समय पर ले पाएंगे। वहीं जिन लोगों का काम- कारोबार रियल स्टेट, प्रापर्टी और जमीन- जायदाद से जुड़ा हुआ है तो उनको अच्छा लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि : शनि आपकी राशि से कर्म भाव पर उदय होंगे। वहीं राहु का गोचर अष्टम भाव पर होगा। इसलिए इस समय आपको काम-कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही व्यापारियों को अच्छा धनलाभ हो सकता है। साथ ही बड़े लाभ के रास्ते खुलेंगे। परिवार में सुख और खुशहाली का माहौल रहेगा। वहीं मित्रों और सहयोगियों का समर्थन मिलेगा। पिता के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

सुनहला पहनने से इन राशियों को मिल सकता है अपार पैसा, पद- प्रतिष्ठा

रत्न शास्त्र में कुल 84 उपरत्नों का वर्णन मिलता है। वहीं 9 मुख्य रत्न माने जाते हैं। यहां हम बात करने जा रहे हैं सुनहला उपरत्न के बारे में, जो पुखराज का उपरत्न है। वहीं इसका संबंध गुरु बृहस्पति से होता है। आपको बता दें कि पुखराज बाजार में काफी मंहगा होता है। इसलिए जिन लोगों पर पुखराज खरीदने का बजट नहीं है तो वो लोग सुनहला धारण कर सकते हैं। सुनहला पहनने से मान- सम्मान की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं सुनहला धारण करने की सही विधि और लाभ

ये लोग पहन सकते हैं सुनहला : अगर आपकी जन्मपत्री में गुरु बृहस्पति उच्च (सकारात्मक) शुभ स्थित हैं, तो आप इस रत्न को पहन सकते हैं। वहीं कर्क लग्न वाले इस रत्न को धारण कर सकते हैं क्योंकि गुरु आपके भाग्य के स्वामी होते हैं। साथ ही मीन राशि-लग्न, धनु राशि- लग्न वाले भी सुनहला धारण कर सकते हैं। वहीं अगर गुरु आपकी जन्म कुंडली में कमजोर स्थित हो तो भी सुनहला धारण कर सकते हैं। लेकिन कुंडली में गुरु ग्रह नीच के स्थित हैं तो सुनहला नहीं धारण करना चाहिए।

सुनहला धारण करने के लाभ : सुनहला धारण करने से व्यक्ति कम्युनिकेशन में सुधार होता है। साथ ही व्यक्ति डिसीजन अच्छे ले पाता है। वहीं अगर आपके व्यापार में लगातार लॉस हो रहा है तो ज्योतिषी की सलाह पर आप इस उपरत्न को धारण कर सकते हैं। साथ ही यह रत्न व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करता है। वहीं जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं उन बच्चों को भी सुनहला पहना सकते हैं। वहीं इसको धारण करने से मानसिक शांति मिलती है और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है।

सुनहला रत्न धारण करने के नियम : सुनहला को बाजार से कम से कम 8 से सवा 8 रत्ती का धारण करना चाहिए। वहीं सुनहला को गुरुवार के दिन पहनना शुभ माना जाता है। वहीं इसको सोने या चांदी के धातु में जड़वाकर धारण कर सकते हैं। साथ ही इसको तर्जनी मतलब इंडेक्स फिंगर में धारण करना चाहिए। इसको धारण करने से पहले गाय के कच्चे दूध और गंगाजल से शुद्ध कर लें। वहीं साथ ही इस रत्न को धारण करने के बाद गुरु से संबंधित दान भी जरूर निकालें और इस दान को किसी मंदिर के पुजारी को दक्षिणा रखकर दे आए।

तापमान नियंत्रण बिगड़ता है और क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है

ठंड में पानी कम पीना पड़ सकता है भारी! किडनी-दिमाग पर ऐसे पड़ता है घातक असर

सर्दियां आते ही तापमान गिरने के साथ हमारी प्यास भी कम होने लगती है। दरअसल ठंड के कारण लोग दिनभर पानी कम पीते हैं, कई बार तो आधा लीटर से भी कम। वहीं विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत धीरे-धीरे शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। पानी की कमी न सिर्फ किडनी पर दबाव बढ़ाती है, बल्कि दिमाग और पाचन जैसे कई महत्वपूर्ण सिस्टम पर भी असर डालती है।

किडनी पर बढ़ता बोझ

शरीर को साफ रखने का सबसे बड़ा काम किडनी करती है। जब पानी कम पिया जाता है, तो शरीर गाढ़ा यूरिन बनाने लगता है ताकि पानी की बचत हो सके।इससे किडनी को सामान्य से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक ऐसा जारी रहने पर किडनी की फिल्टर करने की क्षमता कम हो सकती है और इंफेक्शन या स्टोन जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

दिमाग तक कम पहुंचती है ऑक्सीजन

बता दें कि पानी की कमी से ब्लड वॉल्यूम घटने लगता है, जिसका सीधा असर दिमाग तक पहुंचने वाली ऑक्सीजन पर पड़ता है। नतीजतन ध्यान भटकना, चक्कर आना, मूड स्विंग, थकान और आलस जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति लंबे समय में संज्ञानात्मक क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।

पाचन प्रक्रिया पर असर

सर्दियों में पानी कम पीने से पाचन तंत्र सुस्त पड़ सकता है। इससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। भोजन ठीक से न पचने पर भूख कम लगना भी आम बात है।

लंबे समय तक पानी की कमी रहने पर शरीर में तनाव बढ़ता है, तापमान नियंत्रण बिगड़ता है और क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए, सर्दियों में भी रोज़ 1.5-2 लीटर पानी जरूर पिएं, चाहे प्यास लगे या न लगे।

मांसपेशियों में दर्द और ऊर्जा की कमी

हमारी मसल्स को ऊर्जा पहुंचाने में पानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कम हाइड्रेशन होने पर मसल्स स्टिफ हो जाते हैं और हल्की-सी मेहनत में भी दर्द या थकान महसूस होने लगती है।

सर्दी के मौसम में ज्यादा आता है हार्ट अटैक, जानिए इसके कारण और बचाव

सर्दियों में तापमान गिरने पर हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स (रक्त के थक्के) का खतरा काफी बढ़ जाता है। ठंड का असर हमारे शरीर की नसों, हार्ट और ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है, जिससे दिल की बीमारियां बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ सरल सावधानियों से आप अपना दिल पूरी तरह सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

ठंड में हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स क्यों बढ़ते हैं : कम तापमान में शरीर की नसें संकुचित (सिकुड़) जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ठंड में खून थोड़ा गाढ़ा हो सकता है। इससे ब्लड क्लॉट बनने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को सामान्य से ज्यादा पंप करना पड़ता है। दिल की कमजोरी या पहले से हार्ट प्रॉब्लम वाले लोगों में ज्यादस खतरा बढ़ जाता है। ज्यादातर लोग ठंड में कम चल-फिरते हैं। इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और शुगर बढ़ सकती है जो हार्ट के जोखिम को बढ़ाते हैं।

सर्दियों में हार्ट को सुरक्षित रखने के आसान उपाय

शरीर को गर्म रखें : पूरे शरीर को कवर करें, मोज़े, दस्ताने और टोपी जरूर पहनें, सीने को ठंडी हवा से बचाकर रखें। हल्की एक्सरसाइज जारी रखें: रोज 20–30 मिनट वॉक, हल्का योग सीढ़ियां चढ़ना–उतरना जारी रखें, लेकिन ठंड में अचानक ज्यादा मेहनत वाला वर्कआउट न करें।

हाइड्रेटेड रहें, संतुलित भोजन लें : कई लोग ठंड में पानी कम पीते हैं। पानी कम होने से खून गाढ़ा होने लगता है और क्लॉट का खतरा बढ़ता है। संतुलित डाइट खाएं: ओमेगा-3 युक्त फूड (अखरोट, अलसी, मछली) फाइबर वाली चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। कम नमक और कम तला हुआ भोजन खाएं। विटामिन डी और बी12 की कमी से भी समस्याएँ बढ़ती हैं, ध्यान रखें।

अचानक तापमान, स्मोकिंग-शराब से बचें

गर्म कमरे से निकलकर तुरंत बहुत ठंड में न जाएं। तापमान का अचानक बदलाव हार्ट पर झटका डाल सकता है। स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी: सिगरेट ब्लड कोशिकाओं को और ज्यादा संकुचित कर देती है। इससे क्लॉट और हार्ट अटैक दोनों का खतरा दोगुना हो जाता है।

नियमित जांच करें, हल्के में न लें : शुगर, बीपी और कोलेस्ट्रॉल चेक करते रहें: जो भी लोग पहले से हार्ट के मरीज हैं, या डायबिटीज, हाई **BP**, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा से ग्रसित हैं वह इन पर अधिक ध्यान दें। इन लक्षणों को हल्के में न लें: अगर सीने में भारीपन, जबड़े/कंधे में दर्द, पसीना, बेचैनी महसूस हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ये लोग रहें ज्यादा सावधान : 50 से ऊपर उम्र के लोग, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल के पीड़ित , जिन्हें दिल की कोई पुरानी समस्या है ओर धूम्रपान करने वालों के लिए सर्दी का मौसम ज्यादा जोखिम भरा होता है। ऐसे में गर्म रहें, सक्रिय रहें, और जरूरी जांच करवाते रहें।

सुबह खाली पेट लहसुन खाने से कई बीमारिया पास भी नहीं फटकेंगी

कच्चा लहसुन दिखने में भले ही छोटा हो, लेकिन इसके फायदे बहुत बड़े हैं। यह शरीर को अंदर से साफ रखता है, वजन कंट्रोल करने में मदद करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और त्वचा को भी साफ बनाता है। रोजाना सिर्फ एक या दो कली कच्चा लहसुन खाने से कई तरह के हेल्थ लाभ मिलते हैं। इसलिए इसे कई लोग नेचुरल मेडिसिन भी कहते हैं। पेट में गैस, खांसी, दर्द या इम्युनिटी बढ़ाने में यह बहुत उपयोगी माना जाता है।

डॉक्टरों का क्या कहना है : इस संबंध में डॉक्टर बताते हैं कि लहसुन सिर्फ हेल्दी फूड नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। इसमें मौजूद एलिसिन नाम का तत्व इसे बहुत शक्तिशाली बनाता है। एलिसिन खून को साफ करता है, पाचन सुधारता है और दिल को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

नेचुरल डिटॉक्स – शरीर की गंदगी बाहर निकालें : आजकल पैक्ड फूड, कम पानी, तनाव और नींद की कमी के कारण शरीर में टॉक्सिन जमा हो जाते हैं। इससे थकान, गैस, मुहांसे, सुस्ती और पाचन खराब होने जैसी समस्याएं होती हैं। कच्चे लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड शरीर के खराब बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और लिवर को सक्रिय करके डिटॉक्स की प्रक्रिया तेज कर देते हैं। सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से शरीर हल्का और साफ महसूस होने लगता है।

इम्युनिटी को बनाता है मजबूत : अगर मौसम बदलते ही सर्दी-खांसी आपको पकड़ लेती है, तो कच्चा लहसुन आपके लिए बहुत उपयोगी है। यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक और एंटीवायरल गुणों वाला फूड है। एलिसिन और एंटीऑक्सीडेंट इम्युनिटी सेल्स को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर वायरस और बैक्टीरिया से तेजी से लड़ पाता है। कई शोधों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से लहसुन खाते हैं, उन्हें सामान्य सर्दी-जुकाम कम होता है।

पाचन शक्ति को बेहतर करता है : कच्चा लहसुन पेट के लिए किसी वरदान जैसा है। यह अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाता है और खराब बैक्टीरिया को खत्म करता है। यदि आप रोजाना इसे खाली पेट खाएँगे, तो पाचन बेहतर होगा और पेट हल्का महसूस होगा। गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और भारीपन से परेशान लोगों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

गाजर कुछ दिनों तक रहेंगी एकदम ताजी, अपनाएं ये तरीके

गाजर एक ऐसी सब्जी है, जो सलाद, सूप, सब्जी और कई अन्य चीजों में इस्तेमाल की जाती है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं, जिनकी वजह से इसे खाने में शामिल करना फायदेमंद होता है। हालांकि, कई लोग गाजर को खरीदकर लाते हैं तो कुछ दिनों बाद ही खराब हो जाती है। आइए, आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गाजर को कुछ दिनों के लिए ताजा रख सकते हैं।

गाजर के हरे पत्तों को काट दें : अक्सर लोग गाजर के हरे पत्तों को काटकर फेंक देते हैं, लेकिन अगर आप उन्हें काटकर फेंकने की बजाय अलग स्टोर करें तो इससे गाजर की ताजगी को बरकरार रखा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले गाजर के पत्तों को काटकर एक सूती कपड़े में लपेटकर फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिन तक ताजा रहेगी। बता दें कि गाजर के पत्तों में विटामिन-C की मात्रा टमाटर से भी ज्यादा होती है।

गाजर को पानी में रखें : अगर आप कुछ दिनों के लिए गाजर को स्टोर करना चाहते हैं तो इसके लिए आप गाजर को पानी में रख सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में गाजर को पानी से भरकर रखें और इसे फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी। आप चाहें तो गाजर को सलाद या सूप में इस्तेमाल करने से पहले इस तरीके को आजमा सकते हैं।

गाजर को प्लास्टिक की थैली में रखें : अगर आप गाजर को प्लास्टिक की थैली में रखना चाहते हैं तो इसके लिए सबसे पहले गाजर को अच्छे से धो लें, फिर उन्हें साफ कपड़े से पोंछकर थैली में पैक करें और फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी। आप चाहें तो गाजर को सलाद या सूप में इस्तेमाल करने से पहले इस तरीके को आजमा सकते हैं। ध्यान रखें कि थैली को ढंग से बंद करें ताकि हवा न जाए।

गाजर को बंद डिब्बे में रखें : अगर आप गाजर को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं तो इसके लिए एक बंद डिब्बे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले गाजर को धोकर अच्छे से सुखा लें, फिर उन्हें बंद डिब्बे में रखें और फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी।

कार्नर न्यूज

कमरे की सुंदरता बढ़ाते हैं, साथ ही धूप और धूल से भी बचाते हैं पर्दे

पर्दों की देखभाल करने के लिए अपनाएं सरल व प्रभावी तरीके जिससे दिखें हमेशा नए

घर की सजावट में पर्दों का अहम योगदान होता है। ये न केवल कमरे की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि धूप और धूल से भी बचाते हैं। हालांकि, अक्सर लोग पर्दों की सफाई और देखभाल को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे उनकी उम्र कम हो जाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने पर्दों को लंबे समय तक नया जैसा बना सकते हैं।

पर्दों को नियमित धोएं

पर्दों की सफाई के लिए उन्हें नियमित रूप से धोना बहुत जरूरी है। हफ्ते में एक बार या महीने में दो बार पर्दों को धोना चाहिए ताकि उन पर जमी धूल और गंदगी हट सके। इसके लिए हल्के साबुन का उपयोग करें और ठंडे पानी में धोएं। गर्म पानी से पर्दे सिकुड़ सकते हैं या उनका रंग फीका हो सकता है, इसलिए ठंडा पानी ही सबसे अच्छा है। ध्यान रखें कि पर्दे धोते समय उन्हें उल्टा करके धोएं।

सही तरीके से रखें

अगर आप अपने पर्दों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना चाहते हैं तो उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है। पर्दों को मोड़कर या लटकाकर रखें ताकि उनमें सिकुड़न या मोड़ न पड़े। इसके अलावा प्लास्टिक बैग का उपयोग न करें क्योंकि इससे पर्दों में नमी आ सकती है। बेहतर होगा कि आप सूती या लिनन कपड़े का बैग उपयोग करें, जिससे पर्दों को हवा मिलती रहे और वे सुरक्षित रहें।

धूप से बचाएं

धूप से पर्दों का रंग फीका हो सकता है या वे सिकुड़ सकते हैं। इसलिए जहां तक संभव हो अपने पर्दों को धूप से बचाकर रखें। अगर आपके कमरे में बहुत धूप आती है तो पर्दों को थोड़ा दूर रखकर लगाएं या फिर ऐसे पर्दों का उपयोग करें, जो धूप को पूरी तरह रोकते हैं। इसके अलावा आप पर्दों पर हल्के रंग की परत भी लगा सकते हैं, जिससे धूप का असर कम होगा।

किनारों को सही करें

पर्दों के किनारों पर अक्सर मोड़ आ जाते हैं, जिससे उनका लुक खराब हो सकता है। इन मोड़ों को हटाने के लिए इस्त्री का उपयोग करें। इसके लिए पहले पर्दों को उल्टा करके रखें, फिर उसके किनारों पर इस्त्री करें ताकि मोड़ खुल जाएं। इसके बाद हल्के हाथ से प्रेस करें ताकि पर्दे सही आकार में आ जाएं। इस प्रक्रिया से आपके पर्दों का लुक पहले जैसा दिखेगा और वे लंबे समय तक नए जैसे लगेंगे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एक स्टूडेंड की दर्दनाक कहानी के ईद-गिर्द घूमती है फिल्म मुनकर

डरावनी पिछले साल 7 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का डायरेक्शन आंगी उम्बारा ने किया था। इस फिल्म की एक खास बात भी थी कि इसमें सबसे ज्यादा यंग कलाकारों ने काम किआ था। फिल्म में अधिश्टि जारा, रतु सोफ्या, सास्किया चाडविक, कनीशिया युसुफ और खदीजाह अरूमा नजर आए थे। कहानी और माहौल दोनों मिलकर दर्शकों को ऐसा एक्सपीरियंस देते हैं जो आम हॉरर फिल्मों से अलग होता है। इसे देखने वालों को कहानी में अजीब सा डर और बेचैनी भी महसूस होती है। इस फिल्म का नाम 'मुनकर'है, जिसकी कहानी एक स्टूडेंट के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे उसके कुछ साथ पढ़ने वाली कुछ लड़कियां लगातार परेशान करती रहती है। हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि एक दिन वो उनसे बचने की कोशिश करते हुए एक दर्दनाक घटना का शिकार हो जाती है। इस हादसे के बाद उसके माता-पिता टूट जाते हैं और वे एक ऐसे शेमन की मदद लेते हैं, जो उसकी आत्मा को वापस बुलाता है। इसके बाद वही आत्मा उन लोगों से बदला लेने निकल पड़ती है, जिन्होंने उसे चोट पहुंचाई थी. ये पूरी कहानी लोककथा 'हरलीना'से इंस्पायर है। हालांकि, इस फिल्म को रिलीज होने के बाद दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। कई लोगों ने इसकी कहानी और हॉरर माहौल की तारीफ की, वहीं कुछ का कहना था कि इसे और रफ्तार बनाया जा सकता था।

टॉलीवुड

महाकुंभ की महाझलक, सनातन की रक्षा करने आए बालकृष्ण

नंदमुरी बालकृष्ण की इस साल की बड़ी फिल्म 'अखंडा 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और ये शानदार है। ट्रेलर में सनातन हिंदू धर्म के बल पर जोर दिया गया है और इसमें महाकुंभ की प्रचंड झलक देखने को मिल रही है। नंदमुरी बालकृष्ण और ब्लॉकबस्टर मेकर बोयापति श्रीनु की धार्मिक एक्शन फिल्म 'अखंडा 2: थांडव' जल्द ही दुनिया भर में रिलीज होने जा रही है। टीम ने इसके प्रचार के लिए बड़े स्तर पर और पूरे इंडिया में अभियान चलाया। 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपिचंद अचंता ने फिल्म बनाई है, और एम तेजस्विनी नंदमुरी प्रस्तुत कर रही हैं। पहले से रिलीज किए गए गाने और टीजर ने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी थी। शनिवार को फिल्म का थिएटर ट्रेलर बैंगलोर में रिलीज किया गया, जिसमें कन्नड़ स्टार शिव राजकुमार मौजूद थे। ट्रेलर की शुरुआत एक चेतावनी से होती है। कुछ बुरे लोग, भारत के अंदर और बाहर, देश की आध्यात्मिक नींव को नष्ट करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य सनातन हिंदू धर्म को मिटा देना और देश में डर और भ्रम फैलाना है। इसमें आगे कहा जाता है, 'लेकिन जब श्रद्धा डगमगाने लगती है, तब एक शक्तिशाली ताकत उठती है। वह है अखंडा, जो दिव्य आग की तरह प्रकट होता है और विरोधियों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार होता है।' बोयापति श्रीनु इस बार और भी बड़े विजन के साथ फिल्म बना रहे हैं। 'अखंडा 2' की कहानी सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है; इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और आध्यात्मिक ताकत का मिश्रण है। फिल्म का दायरा बहुत बड़ा है और कुंभ मेला का सीन ट्रेलर की बड़ी खासियत है।

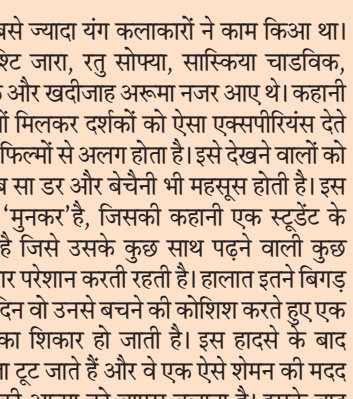

भोजपुरी

प्यार के लिए घर से भागीं काजल, शादी के बाद सब भूला

भोजपुरी स्टार्स की फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है। भोजपुरी स्टार्स की फिल्में आते ही धूम मच जाती है। कई सितारे ऐसे हैं जिनकी फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। अब ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसका नाम है 'मैं कौन हूं'। ट्रेलर को देखकर फैंस जोरदार तरीके से कमेंट कर रहे हैं। ट्रेलर को दो दिन में ही 53 हजार के पार व्यूज मिल चुके हैं। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है। इस फिल्म में रोमांच, सस्पेंस और गहरी भावनाओं के साथ एक ऐसी यात्रा दिखाई गई है, जिसमें एक्टर सिर्फ दुनिया के अन्याय से ही नहीं, बल्कि अपनी आत्मा और अपनी वास्तविक पहचान से भी मुकाबला करता है। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो पहले प्यार में डूबा रहता है, लेकिन जिंदगी की विश्वासघात, षड्यंत्र और दर्द उसे भगवान महाकाल की शरण में ले आते हैं। जब विलन उसे मिटाने की कोशिश करते हैं, तभी उसके भीतर दबी आध्यात्मिक शक्तियां जगती हैं — वही शक्तियां जो उसे 'मैं कौन हूं?' का जवाब देती हैं। काजल राघवानी, आनंद चतुर्वेदी , संजय पांडेय और देव सिंह की दमदार अदाकारी इस एक्शन भरी कहानी को और भी दमदार बनाती है। निर्देशक मृत्युंजय श्रीवास्तव ने एक्शन, भावना और आध्यात्मिक ऊर्जा को बड़े पर्दे पर गजब तरीके से उतारा है। ट्रेलर में संगीत, सिनेमैटोग्राफी और हर चीज की खूबसूरत झलक देखने को मिलती है।

लाइफ स्टाइल

लाल लहंगे में रुपाली का लुक छाया

रुपाली गांगुली ने अपनी लाल लहंगे में तस्वीरें शेयर की हैं। जहां वह किसी दुल्हन से कम नहीं लग रहीं। लहंगे को बड़ी-ही खूबसूरती से सेक्विन सितारों से सजाया गया है। हर कली पर छोटे-छोटे गोल्डन सितारों से फ्लोरल बूटियां बनाई, तो कली के बॉर्डर को भी सितारों से ही हाइलाइट किया है। किसी कली पर फूलों के पैच कुछ- कुछ दूरी पर लगे हैं, तो कहीं पूरी बेल बनाकर उसे हैवी बनाया है। वहीं, आखिर में बॉर्डर को भी स्क्वायर पैटर्न बनाकर हाइलाइट किया, जो शानदार लगा। जिसे पहनी रुपाली का लुक शानदार लगा।

छोटे कद की लड़कियों पर खूब जचते हैं ये हेयरस्टाइल, एक बार ट्राई करके देखिए

छोटी हाइट वाली लड़कियों के लिए हेयरस्टाइल चुनते समय सबसे ज़रूरी बात होती है- चेहरे की शेप और बालों की लंबाई । सही हेयरस्टाइल आपके लुक को न सिर्फ बैलेंस्ड बल्कि ऊंचा और स्लिम भी दिखा सकता है। आज हम आपको कुछ कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल आइडियाज़ बताने जा रहे हैं जो आपको स्टाइलिश और आत्मविश्वासी लुक देंगे ।

लेयर्ड कट : लेयर्स बालों में वॉल्यूम और मूवमेंट देती हैं, जिससे चेहरा लंबा दिखाई देता है। शॉर्ट हाइट वाली लड़कियों के लिए फेस-फ्रेमिंग लेयर्स सबसे अच्छा विकल्प हैं। अगर बाल लंबे हैं, तो फ्रंट लेयर या साइड लेयर कट करवा लें ताकि चेहरा ज्यादा लंबा दिखे।

बॉब कट : यह कंधे तक आने वाला बॉब कट होता है जो हर फेस शेप पर सूट करता है। ये स्टाइल छोटी हाइट वाली लड़कियों पर इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि यह लुक को "क्लीन और एलिगेंट" बनाता है। साइड पार्टिंग करें ताकि चेहरा थोड़ा लंबा और शार्प दिखे।

हाई पोनीटेल : हाई पोनीटेल सिर के ऊपरी हिस्से पर

वॉल्यूम बढ़ाकर ऊंचाई का भ्रम पैदा करती है। यह हर ड्रेस पर सूट करती है — इंडियन या वेस्टर्न दोनों में। बालों के सामने हल्के फ्रंट फ्लिक्स छोड़ें ताकि चेहरा सॉफ्ट लगे।

हाफ-अप हाफ-डाउन

ये रोमांटिक और यंग लुक देता है। यह स्टाइल सिर के ऊपरी हिस्से में वॉल्यूम जोड़ता है जिससे हाइट ज्यादा लगती है। सॉफ्ट वेव्स या कर्ल्स डालें ताकि बाल बाउंसी लगें।

स्टाइलिंग के लिए टिप्स

- हमेशा बालों में वॉल्यूम बढ़ाने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।
- बहुत फ्लैट या ऑयली हेयरस्टाइल से बचें - इससे चेहरा चौड़ा और हाइट कम लग सकती है।
- साइड पार्टिंग या मिड हाई बन हमेशा चेहरा लम्बा दिखाते हैं।

इस शादी सीजन में जरूर ट्राई करें इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस, हटाए नहीं हटेगी लोगों की आपसे नजर

देवउठनी एकादशी के साथ ही शादियों का मौसम शुरू हो गया है। यह समय हर किसी के लिए खास होता है, चाहे वो जिनकी शादी होने वाली हो या जो किसी खास शादी में शामिल होने वाले हों। खूबसूरत दिखना बेहद ज़रूरी है। खासकर लड़कियां, सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं। पारंपरिक लुक को मॉडर्न टच देना इन दिनों एक नया फैशन ट्रेंड है, और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स को खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। ऐसे कपड़े न केवल आकर्षक होते हैं, बल्कि पहनने में भी बेहद आरामदायक होते हैं।

स्कर्ट के साथ कुर्ता, जैकेट संग लहंगा : लंबे कढ़ाई वाले या प्रिंटेड कुर्ते को फ्लेयर्ड स्कर्ट के साथ पहनने से शाही और पारंपरिक एहसास के साथ एक मॉडर्न लुक मिलता है। इसे सिल्वर या ऑक्सीडाइज़्ड ज्वेलरी के साथ पहनें। जैकेट स्टाइल लहंगा- हल्के वज़न का लहंगा पहनें और उसके साथ फ्रंट-ओपन या शॉर्ट जैकेट पहनें। यह ड्रेस सादगी और शान का बेहतरीन मेल है।

केप के साथ पलाज़ो सूट, साड़ी ड्रेप स्कर्ट : प्लेन या फ्लेयर्ड पलाज़ो को क्रॉप टॉप या शॉर्ट कुर्ते और नेट केप के साथ पहनें। यह आपको एक खूबसूरत और उत्सवी लुक देता है।साड़ी ड्रेप स्कर्ट- अगर आप साड़ी को अलग अंदाज़ में पहनना चाहती हैं, तो स्कर्ट के ऊपर साड़ी स्टाइल का दुपट्टा डालें। और भी क्लासी लुक के लिए इसे बेल्ट से पूरा करें।

डेनिम जैकेट संग अनारकली ऑफ शोल्डर टॉप : पारंपरिक अनारकली को डेनिम जैकेट के साथ पहनने से एक बेहद जवां और फ्यूजन लुक मिलता है। स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें। ऑफ-शोल्डर टॉप के साथ शरारा सेट- शरारा की खूबसूरती बढ़ाने के लिए, पारंपरिक दुपट्टे को छोड़कर ऑफ-शोल्डर या रफ़ल टॉप पहनें। यह लुक किसी पार्टी के लिए भी परफेक्ट है।

क्रॉप टॉप और श्रग के साथ धोती पैंट : यह एक बहुत ही ट्रेंडी विकल्प है जहाँ आप एथनिक परिधान को पूरी तरह से मॉडर्न ट्विस्ट के साथ पहन सकती हैं। चटख रंग चुनें और कम से कम मेकअप करें। ये इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेज़ न सिर्फ़ आपको स्टाइलिश दिखाएँगी, बल्कि आपके लुक में आराम और प्रयोग का तड़का भी लगाएँगी। परंपरा और ट्रेंड का यह मेल आपको इस शादी के सीज़न में अनोखा और ख़ास बनाएगा।

हर लड़की अपने वार्डरोब में शामिल करें ये ट्रेंडी फुटवियर्स, हर इवेंट में निखारेंगे पर्सनालिटी

फुटवियर (महिलाओं के फुटवियर) किसी भी आउटफिट का एक अहम हिस्सा होते हैं, जो न सिर्फ़ आपके लुक को पूरा करते हैं, बल्कि आपकी पर्सनालिटी को भी निखारते हैं। अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग तरह के जूते पहनने से आपका फ़ैशन सेंस और भी बेहतर हो जाता है। फुटवियर सिर्फ़ ज़रूरत नहीं, बल्कि एक फ़ैशन स्टेटमेंट है। सही जूते चुनकर, आप न सिर्फ़ अपने आउटफिट को निखार सकते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और स्टाइलिश भी महसूस कर सकते हैं।

हील्स : हील्स किसी भी महिला की अलमारी का एक ज़रूरी हिस्सा होती हैं। ये न सिर्फ़ लंबाई बढ़ाती हैं, बल्कि आउटफिट को एक एलिगेंट और फ़ॉर्मल लुक भी देती हैं।

स्टाइल टिप्स- ब्लॉक हील्स को फ्लेयर्ड जींस या ए-लाइन स्कर्ट के साथ पहनें। स्टिलेटोज़ सैंडल किसी छोटी काली ड्रेस या सूट के साथ परफेक्ट लगते हैं। ऑफिस में न्यूड या ब्लैक हील्स पहनकर एक प्रोफेशनल लुक बनाएँ।

फ्लैट्स : फ्लैट्स उन लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं जो आराम और स्टाइल दोनों चाहते हैं। बैले फ्लैट्स, लोफ़र्स या एस्कॉर्ट ड्राइविंग शूज़ अच्छे विकल्प हैं। स्टाइल टिप्स- स्किनी जींस या कैप्री के साथ बैले फ्लैट्स पहनें। स्टाइलिश लुक के लिए ट्राउज़र या क्यूलॉट्स के साथ लोफ़र्स चुनें। प्रिंटेड फ़्लैट्स के साथ प्लेन आउटफिट में रंग भरें।

स्नीकर्स : स्नीकर्स सिर्फ़ स्पोर्ट्स के लिए ही नहीं, बल्कि कैज़ुअल और ट्रेंडी लुक के लिए भी पहने जाते हैं। ये आरामदायक और बहुमुखी होते हैं।स्टाइल टिप्स- ड्रेस या स्कर्ट के साथ स्नीकर्स पहनकर कैज़ुअल-चिक लुक पाएँ। हाई-टॉप स्नीकर्स को शॉर्ट्स या डेनिम के साथ पहनें।

आज़माएं हॉल्टर, स्ट्रैपलेस व कॉर्सेट जैसे डिजाइनर ब्लाउस, मिलेगा स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक

जब बात पारंपरिक परिधानों की आती है, तो महिलाएं अपने लुक को निखारने के लिए सबसे पहले ब्लाउज़ डिज़ाइन्स पर ध्यान देती हैं। साड़ी या लहंगे को स्टाइलिश बनाने में ब्लाउज़ अहम भूमिका निभाते हैं। अगर आप फैशनेबल और ट्रेंडी ब्लाउज़ डिज़ाइन्स की तलाश में हैं, तो यह लेख खास आपके लिए है। यहाँ ब्लाउज़ डिज़ाइन इतने खूबसूरत बताए गए हैं कि आप हर बार कुछ नया ट्राई करना चाहेंगी। आइए जानें ऐसे ही कुछ शानदार ब्लाउज़ डिज़ाइन्स के बारे में।

हाल्टर नेक ब्लाउज़ : आप इस स्टाइलिश हाल्टर नेक ब्लाउज़ को लहंगे या जॉर्जेट साड़ी के साथ पहन सकती हैं। यह डिज़ाइन एक जवां और ट्रेंडी लुक देता है और गर्मियों के फंक्शन्स के लिए एकदम सही है।

बैकलेस सीक्विन ब्लाउज़ : ग्लिटर और सीक्विन वर्क से सजा बैकलेस ब्लाउज़ आपको एक रॉयल और बोल्ड लुक देगा। यह स्टाइल नाइट फंक्शन्स, रिसेप्शन या पार्टी वियर साड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत लगता है।

डीप वी-नेक स्लीवलेस ब्लाउज़ : यह डिज़ाइन सादगी और स्टाइल का एकदम सही मेल है। यह नेक-ग्रेसिंग डिज़ाइन आपको एक एलिगेंट और फेमिनिन लुक देता है, खासकर फ्लोरल प्रिंट्स या सिल्क साड़ियों के साथ।

शीर फ़ैब्रिक ब्लाउज़ : ख़ास मौकों पर, आप पारदर्शी या शीर फ़ैब्रिक ब्लाउज़ को खूबसूरती से पहन सकती हैं। ये डिज़ाइन साड़ी में एक आधुनिक और कामुक स्पर्श जोड़ने के लिए एकदम सही हैं।

कटआउट डिज़ाइन ब्लाउज़ : अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो कटआउट स्टाइल ब्लाउज़ चुनें। इसे किसी अनोखे कढ़ाई वाले या मिरर वर्क वाले लहंगे के साथ पहनकर आप बेहद स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

हाई नेक और लॉन्ग स्लीव ब्लाउज़ : यह डिज़ाइन एक शाही और खूबसूरत लुक के लिए एकदम सही है। ख़ास तौर पर सर्दियों की शादियों या औपचारिक समारोहों के लिए, यह लुक आपको एक क्लासिक टच देता है।

कॉर्सेट स्टाइल ब्लाउज़ : फिटेड कॉर्सेट ब्लाउज़ भी सबसे ट्रेंडी स्टाइल में से एक है। यह ब्लाउज़ लहंगे के साथ एक बोल्ड और कॉन्फिडेंट लुक देता है और फिगर को खूबसूरती से उभारता है।

कार्नर न्यूज

स्टाइल सही हो, तो यह आपके पूरे लुक को रॉयल बना सकता है

सर्दियों की शादी में साड़ी पहनना खूबसूरत दिखता है, लेकिन ठंड से बचने के लिए शॉल या दुपट्टा सही तरह से ड्रेप करना भी जरूरी है। अगर स्टाइल सही हो, तो यह आपके पूरे लुक को रॉयल बना सकता है। आज हम आपको बताते हैं विंटर वेडिंग्स में साड़ी के साथ शॉल और दुपट्टा ड्रेप करने के एलीगेंट और ट्रेंडी तरीके।

सर्दी में शादी-पार्टी के लिए साड़ी को एलीगेंट बनाने वाले शॉल और दुपट्टा ड्रेपिंग स्टाइल्स

रॉयल साइड-ड्रेप शॉल स्टाइल

इसमें शॉल को एक तरफ से सिर्फ कंधे पर डालें और दूसरी तरफ लंबाई में खुला छोड़ दें। यह लुक लहंगा स्टाइल साड़ी जैसा दिखता है। र्दियों में गर्माहट भी मिलेगी और ग्लैमरस लुक भी बनेगा। कैशमीरी या पश्मीना शॉल इस स्टाइल में सबसे अच्छा लगता है।

बेल्टेड दुपट्टा ड्रेप

दुपट्टे को पल्लू की तरह कंधे पर डालें और कमर पर एक स्टाइलिश बेल्ट लगा दें। यह मॉडर्न और ट्रेंडी लुक है। ठंड में दुपट्टा जगह पर टिका रहता है। खासकर बनारसी दुपट्टा या सिल्क दुपट्टे पर यह स्टाइल खूबसूरत लगता है

हाफ-शॉल केप ड्रेप स्टाइल

शॉल को पीठ पर ओढ़कर सामने से दोनों सिरों को हल्का टक करें, जैसे केप हो। साड़ी पर यह गाउन जैसा रॉयल लुक देता है सर्दियों में कवर भी मिलता है। पार्टी और रिसेप्शन के लिए यह परफेक्ट है।

फुल-रैप स्टाइल

पूरी शॉल को बॉडी के साथ लपेटकर पल्लू को ऊपर से निकालें। यह ठंड से पूरी सुरक्षा देता है। लंबी या हैवी शॉल पर यह स्टाइल शाही दिखता है। सिंपल साड़ी को भी रिच लुक दे देता है

दुपट्टा-ओवर-पल्लू स्टाइल

साड़ी का पल्लू एक तरफ सेट करें, और उस पर दूसरी तरफ से दुपट्टा डालें। डबल-लेयर की वजह से लुक ग्रैंड दिखाई देता है। यह ब्राइड्समेड या भाभी-जी लुक के लिए परफेक्ट है। खासकर बनारसी + नेट या सिल्क + शिफॉन कॉम्बिनेशन बेहतरीन लगता है।

फ्रंट काउल दुपट्टा ड्रेप

दुपट्टे को गले में स्टोल की तरह डालें और सामने काउल बनाएं। यह बिल्कुल मॉडर्न और अनोखा लुक लगता है। यह साड़ी के साथ फ्यूजन लुक देता है। विंटर नाइट फंक्शंस के लिए बढ़िया विकल्प है।

टिप्स ताकि आपका ड्रेपिंग और भी शानदार लगे

- हैवी शॉल हो तो साड़ी को सिंपल रखें
- दुपट्टे और शॉल का रंग साड़ी से कॉन्ट्रास्ट या मैचिंग चुनें
- पिन्स का स्मार्ट इस्तेमाल करें ताकि ड्रेप खुलकर भी न गिरे
- विंटर वेडिंग्स में वेलवेट, पश्मीना, बनारसी दुपट्टे सबसे एलीगेंट दिखते हैं